■ ज्येष्ठ शुक्ल - 9 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 305 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » बुधवार » 04-06-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 भारत की वजह से क्रिकेट की 100 साल बाद ओलंपिक में वापसी हुई : सुनक

6 बाल श्रम : एक राष्ट्रीय समस्या

7 वन्यजीव फोटोग्राफी प्रकृति और खुद से जुड़ने का तरीका : रणदीप हुड्डा

फर्स्ट टेक

एडीबी ने पाकिस्तान के लिए 80 करोड़ डॉलर के पैकेज को मंजूरी दी

इस्लामाबाद/भाषा। एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने पाकिस्तान के लिए 80 करोड़ डॉलर के पैकेज को मंजूरी दी है। यह राशि राजकोषीय स्थिति को मजबूत करने और सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन में सुधार के लिए दी जा रही है। वित्त मंत्री के सलाहकार खुर्रम शहजाद ने सोशल मीडिया पर एक संक्षिप्त बयान में इस बात की पुष्टि करते हुए कहा कि कुल राशि में 30 करोड़ डॉलर का नीति-आधारित ऋण और 50 करोड़ डॉलर की कार्यक्रम-आधारित गारंटी शामिल है। उन्होंने कहा, ''एडीबी ने संसाधन जुटाने के सुधार कार्यक्रम के तहत पाकिस्तान के लिए 80 करोड़ डॉलर के वित्त पोषण पैकेज को मंजूरी दी है।'' एडीबी ने भी एक बयान में पाकिस्तान को वित्तीय सहायता दिये जाने की पुष्टि की है।

मंगोलिया के प्रधानमंत्री ने दिया इस्तीफा

ताइपे (ताइवान)/एपी। संसाधन संपन्न मंगोलिया के प्रधानमंत्री ओयुन-एर्डीन लुवसन्नामराय ने देश में भ्रष्टाचार के खिलाफ विरोध-प्रदर्शन के मद्देनजर मंगलवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। संसद में विश्वास मत के लिए मतदान से पहले प्रधानमंत्री ने चेतावनी दी थी कि उनके हटने से मंगोलिया का नया लोकतंत्र कमजोर हो सकता है। मतगणना आयोग के प्रमुख एम नरंतुया-नारा के अनुसार विश्वास मत साबित करने के लिए मंगलवार सुबह संसद में हुए मतदान में ओयुन-एर्डीन के पक्ष में केवल 44 वोट पड़े जो 126 सीट वाली संसद में बहुमत के लिए जरूरी 64 वोट से काफी कम है। ओयुन-एर्डीन ने हार स्वीकार करते हुए कहा कि कोरोनावायरस महामारी, यूक्रेन पर रूस के आक्रमण और अमेरिकी शुल्क पर जारी संघर्ष के दौरान राष्ट्र की सेवा करना सम्मान की बात थी।

नाइजीरिया: बेन्यू राज्य में कई समुदायों पर हमलों में 20 लोगों की मौत

अबुजा/एपी। नाइजीरिया के उत्तर-मध्य बेन्यू राज्य में कई समुदायों पर अज्ञात बंदूकधारियों द्वारा एक साथ किए गए हमलों में कम से कम 20 लोगों की मौत हो गयी। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। बेन्यू पुलिस के प्रवक्ता उदेमे एडेट ने बताया कि हमले रविवार देर रात ग्वेर वेस्ट और अपा क्षेत्रों के समुदायों में हुए। एडेट ने बताया कि अपा में 12 और ग्वेर वेस्ट में 10 लोगों की मौत हो गयी लेकिन स्थानीय मीडिया की खबरों में मरने वालों की संख्या 30 से अधिक बताई जा रही है। उन्होंने बताया कि हमलों में जीवित बचे पांच लोगों का स्थानीय अस्पताल में इलाज जारी है।

04-06-2025	05-06-2025
सूर्यास्त 6:33 बजे	सूर्योदय 5:41 बजे

BSE	NSE
80,737.51	24,542.50
(-636.24)	(-174.10)

सोना	चांदी
10,098 रु.	111,000 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

ई सला कप नमदू!

विराट का 18 साल का इंतजार खत्म, आरसीबी ने पहली बार जीता आईपीएल खिताब

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। विराट कोहली और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरू ने 18 साल की नाकामियों और निराशाओं को आखिरकार भुलाते हुए पंजाब किंग्स को मंगलवार को छह रन से हराकर पहली बार इंडियन प्रीमियर लीग खिताब अपने नाम किया ।

जीत तय होते ही अपने आंसू पर काबू नहीं पा सके विराट मैदान पर घुटने के बल बैठकर रो पड़े । उनके साथ ही 18 साल से 'ई साला कप नामडे' का मंत्र जप रहे आरसीबी के प्रशंसकों की आंखें भी नम हो गई । अब तक तीन बार फाइनल में मिली नाकामी की यादें भी खुशी के इन आंसुओं में धुंधली हो गई ।

बल्लेबाजी की मददगार पिच पर खेले गए फाइनल में आरसीबी ने दबाव का बखूबी सामना करते हुए जुझारूपन नहीं छोड़ा और जीतकर ही दम लिया । मैदान पर 'कोहली कोहली' और 'आरसीबी आरसीबी' के शोर के बीच आरसीबी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए नौ विकेट पर 190 रन बनाये जिसमें कोहली ने 35 गेंद में 43 रन का योगदान दिया ।

190 रन का स्कोर उतना बड़ा नहीं था लेकिन कृणाल पंड्या की अगुवाई में गेंदबाजों ने भी शानदार प्रदर्शन किया । पंड्या ने चार ओवर में 17 रन देकर दो विकेट लिये । वैसे मैच का निर्णायक पल रोमारियो शेफर्ड की गेंद पर पंजाब के कप्तान श्रेयस अय्यर का विकेट था ।

आखिरी ओवर में पंजाब को 29 रन चाहिये थे और जोश हेजलवुड ने दूसरी डॉट गेंद डालकर जीत तय कर दी ।पंजाब के लिये शशांक सिंह (30 गेंद में 61 रन) के अलावा कोई बल्लेबाज नहीं चल सका ।

दूसरे क्वालीफायर में शानदार पारी खेलकर आये अय्यर एक रन बनाकर आउट हो गए । जोश इंगलिस ने 23 गेंद में 39 रन बनाये लेकिन पंड्या ने 13वें ओवर में उन्हें लांग आन पर लपकवाया । इसके बाद से हर डॉट गेंद पर 'आरसीबी आरसीबी' का शोर बढता गया । आरसीबी के लिये खेल चुके दक्षिण अफ्रीका के एबी डिविलियर्स और क्रिस गेल भी खास तौर पर इस मैच के लिये यहां पहुंचे थे ।

केएफसीसी अपनी मांग पर अड़ा, कहा-

कर्नाटक में हर कोई चाहता है कि कमल हासन माफी मांगें

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक फिल्म चैंबर ऑफ कॉमर्स (केएफसीसी) ने मंगलवार को दोहराया कि अभिनेता कमल हासन को कन्नड़ भाषा पर अपना बयान वापस लेना चाहिए और माफी मांगनी चाहिए।

केएफसीसी द्वारा जारी एक प्रेस बयान में कहा गया है कि राजकमल फिल्म्स इंटरनेशनल द्वारा दायर याचिका पर कर्नाटक उच्च न्यायालय द्वारा आदेश जारी किए जाने के बाद फिल्म निकाय की कार्यकारी समिति की एक आपातकालीन बैठक मंगलवार को आयोजित की गई। बयान में कहा गया है, बैठक में हमने अब तक हुई हर चीज पर चर्चा की, जिसमें हासन का वह पत्र भी शामिल है जिसमें भाईचारे, सह-अस्तित्व, प्रेम, विश्वास आदि की बात की गई है। उनकी तरह हम भी पड़ोसी राज्यों के साथ प्रेम और विश्वास चाहते हैं। लेकिन हमने फैसला किया है कि वह बिना शर्त माफी ही है जो कन्नड़ समर्थक संगठन, सरकार और राज्य के सभी लोग चाहते हैं। केएफसीसी ने हासन से अपना बयान वापस लेने और बिना शर्त माफी मांगने का आग्रह किया है जिसमें उन्होंने कहा था कि ''कन्नड़ भाषा का जन्म तमिल से हुआ है।''

कमल हासन का बयान, कर्नाटक उच्च न्यायालय ने कहा

''मधुमक्खी के छत्ते में हाथ डालने'' जैसा

बेंगलूरु। कर्नाटक उच्च न्यायालय ने मंगलवार को कहा कि कन्नड़ भाषा पर कमल हासन का बयान ''मधुमक्खी के छत्ते में हाथ डालने'' जैसा था, जिससे कर्नाटक में अशांति फैली। कर्नाटक में फिल्म 'ठग लाइफ' की रिलीज के लिए सुरक्षा की मांग करने वाली अभिनेता की रिट याचिका पर सुनवाई करते हुए अदालत ने यह टिप्पणी की और सुनवाई 10 जून तक स्थगित कर दी। फिल्म की रिलीज तारीख पांच जून है। अभिनेता कमल हासन ने मंगलवार को कहा कि कन्नड़ भाषा के संबंध में 'ठग लाइफ' के ऑडियो लॉन्च कार्यक्रम में दिए गए उनके बयान को गलत समझा गया और शब्दों को तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया।

हरित ऊर्जा पर लगातार काम कर रही केंद्र सरकार : गडकरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने मंगलवार को हाइड्रोजन गैस को भविष्य का ईंधन बताते हुए कहा कि केंद्र सरकार लगातार हरित ऊर्जा पर काम कर रही है ।

गडकरी ने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के साथ यहां ग्राफिक एरा डीम्ड यूनिवर्सिटी के 12वें दीक्षांत समारोह में हिस्सा लेते हुए कहा, हाइड्रोजन गैस हमारे भविष्य का ईंधन है। ऑर्गेनिक शहरी कचरे से हाइड्रोजन बनाने का कार्य किया जा रहा है जो बहुत सस्ता विकल्प है। उन्होंने कहा कि वह खुद भी हाइड्रोजन गैस से चलने वाली गाड़ी का इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने कहा कि भारत प्रतिभाशाली युवाओं, शोधकर्ताओं एवं स्टार्टअप का देश है और दुनिया की शीर्ष कंपनियों में भारतीय मूल के मुख्य कार्यपालक अधिकारियों (सीईओ) का होना भारत की प्रतिभा और क्षमता को दर्शाता है।

गडकरी ने कहा कि पिछले कुछ सालों में देश में पुलों, सुरंगों और सड़कों के निर्माण के क्षेत्र में कई कीर्तिमान स्थापित किए गए हैं। उन्होंने डिग्री और पीएचडी उपाधियां हासिल करने वाले छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि प्रतिभाशाली युवा हमारे देश के लिए 'संपत्ति सृजनकर्ता' भी हैं लिहाजा उनकी कोशिश नौकरी मांगने वाले के बजाय नौकरी देने वाला बनने की होनी चाहिए ।

केंद्रीय मंत्री ने युवाओं को घरेलू खुशहाली सूचकांक को बढ़ाने के लिए भी अपना योगदान देने को कहा जिसमें बच्चों को अच्छी शिक्षा, वातावरण व स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हों।

भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुक्ला को

आईएसएस ले जाने वाला 'एक्सिओम-4' मिशन 10 तक स्थगित

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला और तीन अन्य को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) ले जाने वाला एक्सिओम स्पेस का मिशन 10 जून तक के लिए स्थगित कर दिया गया है।

यह घोषणा एक्सिओम-4 मिशन के चालक दल के सदस्यों के साथ ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन के दौरान की गई। चालक दल के सदस्य आईएसएस की यात्रा से पहले वर्तमान में पृथक-वास में हैं। यह मिशन फ्लोरिडा के कैनेडी अंतरिक्ष केंद्र से स्पेसएक्स के फाल्कन-9 रॉकेट के जरिए प्रक्षेपित होगा। अब यह मिशन 10 जून को शाम 5:52 रवाना होगा। यह अंतरिक्ष उड़ान मूलतः 29 मई के लिए निर्धारित थी तथा बाद में इसे आठ जून के लिए पुनर्निर्धारित कर दिया गया। अब यह 10 जून को रवाना होगी। वर्ष 1984 में रूस के सोयूज अंतरिक्ष यान से राकेश शर्मा की अंतरिक्ष उड़ान के चार दशक बाद शुक्ला अंतरिक्ष की यात्रा करने वाले दूसरे भारतीय होंगे।

भारत के सामने पाकिस्तान ने आठ घंटे में ही टेक दिए घुटने : सीडीएस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुणे/भाषा। प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने मंगलवार को कहा कि पाकिस्तान ने 10 मई की सुबह कई हमले किए, जिनका उद्देश्य भारत को 48 घंटे में शिकस्त देने का था, लेकिन खुद उसने आठ घंटे में ही घुटने टेक दिए और शत्रुता समाप्त करने के लिए उसे नई दिल्ली से संपर्क करना पड़ा।

भारत-पाकिसन के बीच संघर्ष का पहला विस्तृत विवरण देते हुए जनरल चौहान ने कहा कि पहलगाम आतंकवादी हमले पर भारत की कार्रवाई सीमा पार आतंकवाद के प्रति ''सहनशक्ति की हद'' निर्धारित करने के साथ ही इस्लामाबाद के परमाणु ब्लैकमेल को बर्दाश्त न करने की थी।

सावित्रीबाई फुले पुणे विश्वविद्यालय में अपने संबोधन में जनरल चौहान ने यह बात स्वीकार करने के लिए हो रही अपनी आलोचना को खारिज किया कि 'ऑपरेशन सिंदूर' के प्रारंभिक चरण में भारत ने अनिर्दिष्ट संख्या में लड़ाकू जेट विमान खो दिए।

जनरल चौहान ने कहा कि पेशेवर सेनाएं अस्थायी नुकसान से प्रभावित नहीं होतीं, क्योंकि समग्र परिणाम ऐसे नुकसान से कहीं अधिक महत्वपूर्ण होते हैं। उन्होंने कहा, ''मान लीजिए कि आप क्रिकेट टेस्ट मैच खेलने उतरते हैं और पारी से जीत जाते हैं, तो विकेट और गेंद आदि का सवाल ही नहीं उठता।''

सीडीएस ने कहा, ''जब मुझसे हमारी ओर से हुई क्षति के बारे में पूछा गया तो मैंने कहा कि यह महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि परिणाम और आप कैसे कार्य करते हैं, यह महत्वपूर्ण है।'' उन्होंने कहा, ''दस मई को रात लगभग एक बजे, उनका (पाकिस्तान का) लक्ष्य 48 घंटों में भारत को शिकस्त देने का था। कई हमले किए गए और किसी न किसी तरीके से उन्होंने इस संघर्ष को बढ़ा दिया। हमने वास्तव में केवल आतंकवादी ठिकानों को ही निशाना बनाया था।''

जनरल चौहान ने कहा कि पाकिस्तान ने सोचा था कि भारत के खिलाफ उसका 'ऑपरेशन' 48 घंटे तक चलेगा, लेकिन वह खुद आठ घंटे में ही अपनी हार मान बैठा।

भारत-पाक संघर्ष पर राहुल गांधी का दावा:

ट्रंप के फोन के बाद प्रधानमंत्री ने किया आत्मसमर्पण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भोपाल/भाषा। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को आरोप लगाया कि भारत-पाकिस्तान सैन्य संघर्ष के दौरान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फोन पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'आत्मसमर्पण' कर दिया। उन्होंने कहा कि 1971 के युद्ध में तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी नहीं झुकीं, जबकि अमेरिका ने अपना सातवां बेड़ा भेजा था।

उन्होंने यहां कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में पार्टी के 'संगठन सृजन अभियान' की शुरुआत करने के बाद 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''ट्रंप का एक फोन आया

और नरेन्द्र (मोदी) जी ने तुरंत आत्मसमर्पण कर दिया- इतिहास गवाह है। यही भाजपा-आरएसएस का चरित्र है, ये हमेशा झुकते हैं।''

गांधी ने कहा, ''भारत ने 1971 में अमेरिका की धमकी के बावजूद पाकिस्तान को तोड़ा था। कांग्रेस के बब्बर शेर और शेरनियां 'सुपरपावर्स' से लड़ते हैं, कभी झुकते नहीं।''

पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि वह भाजपा-आरएसएस के लोगों को अच्छी तरह से जानते हैं। उन्होंने कहा, ''यदि आप थोड़ा भी दबाव डालते हैं और उन्हें (भाजपा-आरएसएस) को थोड़ा सा धक्का देते हैं, तो वे डर के मारे भाग जाते हैं।'' उन्होंने कहा कि 1971 के युद्ध के दौरान कोई फोन नहीं आया था, भले ही सातवां बेड़ा, हथियार और एक विमान वाहक आ गया, लेकिन इंदिरा गांधी ने आत्मसमर्पण नहीं किया और कहा कि वह जो चाहती हैं वह करेंगी।

लोकसभा में विपक्ष के नेता ने कहा, ''गांधी (महात्मा), नेहरू (जवाहरलाल) और पटेल (वल्लभ भाई) ने कभी आत्मसमर्पण नहीं किया, उन्होंने महाशक्तियों के खिलाफ लड़ाई लड़ी।''

भाजपा और आरएसएस की 'समर्पण पत्र' लिखने की आदत

भाजपा और आरएसएस का जिक्र करते हुए राहुल ने कहा कि आजादी के बाद से ही उन्हें 'समर्पण पत्र' लिखने की आदत रही है। उन्होंने कहा, ''यह अंतर है। यह उनका चरित्र है। वे ऐसे ही हैं। उन्हें आजादी के समय से ही समर्पण पत्र लिखने की आदत है। कांग्रेस कभी आत्मसमर्पण नहीं करती।

संसद के आगामी सत्र में लाया जाएगा

न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार संसद के आगामी सत्र में इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाएगी और कथित भ्रष्टाचार के मामले में उनके खिलाफ कार्रवाई के लिए सर्वदलीय सहमति बनाने का प्रयास करेगी। सरकारी सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू विभिन्न दलों के नेताओं से बात करेंगे, ताकि उन्हें तत्कालीन प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना द्वारा गठित तीन-सदस्यीय समिति की न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ सौंपी गई रिपोर्ट के बाद उनके विरुद्ध महाभियोग प्रस्ताव के लिए राजी किया जा सके। इस वर्ष मार्च में राष्ट्रीय राजधानी स्थित न्यायमूर्ति वर्मा के आवास पर आग लगने की घटना हुई थी, जिसके बाद कथित तौर पर जली हुई नकदी बरामद हुई। उस समय न्यायमूर्ति वर्मा दिल्ली उच्च न्यायालय में न्यायाधीश थे।

न्यायाधीश वर्मा ने खुद को निर्दोष बताया, लेकिन उच्चतम न्यायालय द्वारा नियुक्त समिति ने उन्हें दोषी ठहराया। विवाद के दौरान इलाहाबाद उच्च न्यायालय में स्थानांतरित किए गए न्यायमूर्ति वर्मा को इस्तीफा देने के लिए कहा गया, लेकिन उन्होंने इससे इनकार कर दिया। इसके बाद न्यायमूर्ति खन्ना ने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर महाभियोग प्रस्ताव की संस्तुति की, जो उच्च न्यायपालिका के सदस्यों को सेवा से हटाने की प्रक्रिया है।

मणिपुर में बाढ़ से 1.64 लाख से अधिक लोग प्रभावित

इंफाल/भाषा। मणिपुर में मंगलवार को बाढ़ की स्थिति से हालात और खराब हो गये तथा राज्य में भारी बारिश के बाद कई नदियों के उफान पर होने एवं तटबंधों के टूटने से 1.64 लाख से अधिक लोग प्रभावित हुए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। बाढ़ के पानी में बहे एक व्यक्ति का शव इंफाल पश्चिम जिले में दिन में बरामद किया गया। सोमवार को आई आपदा से 56,000 लोग प्रभावित हुए। मंगलवार को हालांकि इंफाल घाटी के जिलों में बहने वाली नदियों का जलस्तर काफी कम हो गया, लेकिन इंफाल पूर्वी जिले के कई इलाके चौथे दिन भी जलमग्न रहे। बाढ़ से कम से कम 1,64,879 लोग प्रभावित हुए हैं, जबकि 35,143 घर क्षतिग्रस्त हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि 643 इलाके प्रभावित हुए हैं, जिनमें से ज्यादातर इंफाल पूर्वी जिले में हैं, जबकि 82.79 हेक्टेयर कृषि क्षेत्र जलमग्न हो गया है।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

देश राग

यह देश रहा गुरु अखिल विश्व का,
वैदिक मंत्र ऋचाओं का।
शरणागत वत्सल रहा सदा,
समरसता भरी पनाहों का।
हर धर्म जाति का उन्नायक,
खेतों नदियों और गाँवों का।
पर आज देख कर यूं लगता,
यह रह गया सिर्फ चुनावों का।।

भारत बन चुका है दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था: ईएसी-पीएम सदस्य

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत के दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने को लेकर छिड़ी बहस के बीच प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद (ईएसी-पीएम) की सदस्य शमिका रवि ने सोमवार को कहा कि जीडीपी के एक बड़े असंगठित क्षेत्र को न मापे जाने के बावजूद भारत दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है।

नीति आयोग के सदस्य अरविंद विरमानी ने 26 मई को पीटीआई-भाषा से कहा था कि भारत 2025 के अंत तक दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के लिए तैयार है। उसके पहले नीति आयोग के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) बीवीआर सुब्रमण्यम ने कहा था कि भारत, जापान को पीछे छोड़कर चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन चुका है।

रवि ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। ऐसा बहुत ही महत्वपूर्ण असंगठित घटक के बावजूद है जिसे जीडीपी में मापा नहीं जाता है।''

इसके पहले 30 मई को मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी अनंत नागेश्वरन ने कहा था, ''नीति आयोग के सीईओ ने जो कहा, उसे नीति आयोग के पूर्णकालिक सदस्य और पूर्व सीईए अरविंद विरमानी ने स्पष्ट किया है कि यह वित्त वर्ष 2025-26 की कहानी है।''

विरमानी ने कहा था कि भारत चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की प्रक्रिया में है और यह 2025 के अंत तक हो जाएगा।

संसद या राज्य विधानमंडल का बनाया कानून अवमानना नहीं : उच्चतम न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि संसद या राज्य विधानमंडल द्वारा बनाया गया कोई भी कानून न्यायालय की अवमानना नहीं माना जा सकता।

न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना और न्यायमूर्ति सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने समाजशास्त्री एवं दिल्ली विवि की पूर्व प्रोफेसर नंदिनी सुंदर तथा अन्य की ओर से 2012 में दायर अवमानना याचिका का निपटारा करते हुए यह टिप्पणी की। अवमानना याचिका में छत्तीसगढ़ सरकार पर सलवा जुडूम जैसे निगरानी समूहों का समर्थन रोकने तथा माओवादियों के खिलाफ लड़ाई में विशेष पुलिस अधिकारियों (एसपीओ) के नाम पर आदिवासियों को हथियार देने पर रोक लगाने संबंधी 2011 के न्यायालय के निर्देशों का पालन करने में विफल रहने का आरोप लगाया गया था। याचिका में कहा कि उच्चतम न्यायालय के आदेश की अवमानना हुई है, क्योंकि छत्तीसगढ़ सरकार ने छत्तीसगढ़ सहायक सशस्त्र पुलिस बल अधिनियम, 2011 पारित किया, जो माओवादी/नक्सल हिंसा से निपटने में सुरक्षाबलों की सहायता के लिए एक सहायक सशस्त्र बल को अधिकृत करता है तथा मौजूदा एसपीओ को सदस्य के रूप में शामिल करके उन्हें वैध बनाता है। छत्तीसगढ़ सरकार पर सलवा जुडूम संबंधी निर्देशों को न मानने का आरोप लगाने के अलावा याचिकाकर्ताओं ने कहा कि एसपीओ का उपयोग न करने और उन्हें निरस्त्र करने के बजाय राज्य सरकार ने 'छत्तीसगढ़ सहायक सशस्त्र पुलिस बल अधिनियम,

2011' पारित कर दिया, जिसके तहत पांच जुलाई, 2011 को शीर्ष अदालत के आदेश की तिथि से सभी एसपीओ को नियमित कर दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया राज्य सरकार ने सुरक्षाबलों के कब्जे से सभी स्कूल भवनों और आश्रमों को खाली नहीं कराया है और न ही सलवा जुडूम तथा एसपीओ की कार्रवाई के पीड़ितों को मुआवजा दिया है। शीर्ष अदालत ने 15 मई को कहा कि उसके आदेश के बाद छत्तीसगढ़ द्वारा कोई कानून पारित करना अवमानना का कार्य नहीं हो सकता। समतावादी सामाजिक व्यवस्था स्थापित करने के संवैधानिक उद्देश्यों की पूर्ति के लिए कानून का शासन सुनिश्चित करने के वास्ते संबंधित संप्रभु पदाधिकारियों के बीच हमेशा संतुलन बनाए रखा जाना चाहिए। इसने कहा, ''प्रत्येक राज्य विधानमंडल के पास अधिनियम पारित करने की पूर्ण शक्तियां हैं और जब तक उक्त अधिनियम को संविधान के विरुद्ध या किसी भी तरह से संवैधानिक न्यायालय द्वारा अमान्य घोषित नहीं किया जाता, तब तक उक्त अधिनियम में कानून का बल रहेगा।'' पीठ ने कहा, ''हालांकि, यदि कोई पक्ष यह चाहता है कि उक्त अधिनियम को असंवैधानिक होने के कारण रद्द कर दिया जाए, तो इस संबंध में सक्षम न्यायालय के समक्ष कानूनी उपाय अपनाना होगा।'' छत्तीसगढ़ में दशकों से व्याप्त स्थिति पर विचार करते हुए पीठ ने राज्य और केंद्र सरकार के समन्वित उपायों के माध्यम से प्रभावित क्षेत्रों में शांति और पुनर्वास लाने के लिए ''विशिष्ट कदम'' उठाने की आवश्यकता को रेखांकित किया। फैसले में कहा गया कि विधायी कार्य का केन्द्रबिन्दु कानून बनाने और उनमें संशोधन करने की विधायी अंग की शक्ति है।

भारत का रूस से कच्चे तेल का आयात मई में 10 महीने के उच्चस्तर पर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत का रूस से कच्चे तेल का आयात मई में बढ़कर 10 महीने के उच्चस्तर 19.6 लाख बैरल प्रति दिन पर पहुंच गया है। वैश्विक बेंचमार्क कीमतों की तुलना में रूसी तेल पर लगातार मिलने वाली महत्वपूर्ण छूट इसकी मुख्य वजह रही। केप्लर के पोत परिवहन गतिविधियों से जुड़े आंकड़ों से यह जानकारी मिली है।

भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल आयातक और उपभोक्ता है। यह विदेशों से करीब 51 लाख बैरल कच्चा तेल खरीदता है जिससे रिफाइनरियों में पेट्रोल एवं डीजल जैसे ईंधन में बदला जाता है। भारत का तेल आपूर्तिकर्ताओं में रूस की सबसे बड़ी 38 प्रतिशत से अधिक की हिस्सेदारी है। वहीं इराक से भारत को प्रतिदिन 12 लाख बैरल कच्चा तेल मिलता है। इराक देश के लिए दूसरा सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता है। सऊदी अरब ने 6,15,000 बैरल प्रति दिन का निर्यात किया, जबकि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने 4,90,000 बैरल प्रति दिन की आपूर्ति की। अमेरिका ने 2,80,000 बैरल प्रति दिन की आपूर्ति की। केप्लर में रिफाइनिंग एवं मॉडलिंग के प्रमुख शोध विश्लेषक सुमित रितोलिया ने कहा, ''कुल मिलाकर, मई 2025 के लिए भारत का कच्चा तेल आयात खाका इसकी मूल्य-संवेदनशील, विविध 'सोर्सिंग' रणनीति को उजागर करता है। बाहरी दबाव के बावजूद रूसी तेल की मात्रा उच्च बनी हुई है जो भारत की ऊर्जा नीति में आर्थिक व्यावहारिकता की के दृष्टिकोण को मजबूत करता है।''

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने वायु प्रदूषण शमन योजना शुरू की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को वायु प्रदूषण शमन योजना 2025 शुरू की, जिसके तहत राष्ट्रीय राजधानी में मेट्रो स्टेशन पर 2,300 इलेक्ट्रिक ऑटो तैनात किए जाएंगे, वायु प्रदूषण के लिहाज से सबसे ज्यादा संवेदनशील 13 इलाकों में 'मिस्ट स्प्रेयर' लगाए जाएंगे और पीयूसीसी केंद्रों का हर छह महीने में ऑडिट किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि स्वच्छ और स्वस्थ दिल्ली उनकी सरकार का सपना है। उन्होंने कहा कि वायु प्रदूषण सीधे तौर पर लोगों के स्वास्थ्य को प्रभावित करता है। गुप्ता ने कहा कि 'शुद्ध हवा सबका अधिकार-प्रदूषण पर जोरदार प्रहार' नामक योजना में 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत पेड़ लगाया जाना भी शामिल है। उन्होंने बताया कि योजना के तहत सरकार ने इस साल 70 लाख पौधे लगाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान की शुरुआत की थी, जो माताओं के प्रति सम्मान को पर्यावरणीय जिम्मेदारियों के साथ जोड़ने वाली एक अनूठी पहल है।

गुप्ता ने कहा कि भ्रष्टाचार पर लगाम लगाने के लिए प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसीसी) जारी करने वाले केंद्रों का हर छह महीने में ऑडिट किया जाएगा। उन्होंने बताया कि यातायात जाम की समस्या पर काबू पाने के लिए सरकार 'स्मार्ट इंटेलिजेंट ट्रैफिक सिस्टम' शुरू कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा, हम चाहते हैं कि एक नवंबर से दिल्ली में केवल बीएस-6, सीएनजी और इलेक्ट्रिक वाहन ही प्रवेश करें। उन्होंने बताया कि जिन परियोजनाओं का निर्माण स्थल 500 वर्ग मीटर से ज्यादा है, उन्हें दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) के पोर्टल पर पंजीकरण कराना होगा।

पहलगाम हमले के बाद खीर भवानी के लिए श्रद्धालुओं का आना अच्छा संकेत: सिन्हा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तुलमुल्ला/श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकवादी हमले के बाद खीर भवानी मेले में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने को मंगलवार को एक अच्छा संकेत करार दिया। गांदरबल जिले के तुलमुल्ला में रागन्या देवी मंदिर में पूजा-अर्चना के बाद संवाददाताओं से बातचीत में सिन्हा ने कहा, खीर भवानी मेले में बड़ी संख्या में श्रद्धालु आए हैं। यह एक अच्छा संकेत है। 22 अप्रैल (पहलगाम हमले) के बाद पहली बार किसी स्थान पर इतनी भीड़ जुटी है। श्रद्धालुओं का स्वागत करते हुए उपराज्यपाल ने भरोसा दिलाया कि प्रशासन ने मेले के लिए पुख्ता इंतजाम किए हैं। उन्होंने कहा, यात्री निवास पर काम जारी है।

तीन जुलाई से शुरू होने वाली वार्षिक अमरनाथ यात्रा के बारे में सिन्हा ने कहा कि तीर्थयात्रा से जुड़ी सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने कहा, सुरक्षा के लिहाज से भी पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। मैं देशभर के श्रद्धालुओं से अपील करता हूं कि वे यहां आएं और बाबा का आशीर्वाद लें। खीर भवानी मेला मंगलवार को गांदरबल के तुलमुल्ला, कुलगाम के मंजगाम और देवसर, अनंतनाग के लोगरीपोरा तथा कुपवाड़ा के टिक्कर में 5 रागन्या भगवती मंदिरों में आयोजित किया जाएगा।

अगर लोग मेरे साथ हैं तो हर परेशानी का सामना करने के लिए तैयार हूं: पंकजा मुंडे

छत्रपति संभाजीनगर/भाषा। महाराष्ट्र की पर्यावरण मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की नेता पंकजा मुंडे ने मंगलवार को कहा कि अगर लोग उनके साथ हैं तो वह हर परेशानी का सामना करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने पांडवों के वनवास का जिक्र करते हुए कहा कि सही और सच्चे लोगों को अपने जीवन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

पंकजा ने पिता एवं भाजपा के दिग्गज नेता दिवंगत गोपीनाथ मुंडे की पुण्यतिथि पर उनके स्मारक गोपीनाथगढ़ में सभा को संबोधित करते हुए राजनीतिक भाषण में कौरवों और पांडवों का भी उल्लेख किया। इस मौके पर महीनों के राजनीतिक विवाद के बाद राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के नेता एवं पंकजा के चचेरे भाई धनंजय मुंडे पहली बार सार्वजनिक मंच पर देखे गए। बीड सरपंच संतोष देशमुख की हत्या के मामले में आरोपी वाल्मिक कराड के साथ धनंजय के संबंधों को लेकर राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया था जिसके बाद उन्हें मार्च में कैबिनेट मंत्री के पद से इस्तीफा देना पड़ा। पंकजा ने कहा, '' सही और सच्चे लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। कौरवों और रावण को वनवास नहीं हुआ, लेकिन पांडवों को वनवास जाना पड़ा। अगर लोग मेरे साथ हैं तो मैं परेशानियों का सामना करने के लिए तैयार हूं।'' पिता के निधन के बाद से अपने सफर के बारे में पंकजा ने कहा, ''मैं पिछले 11 वर्षों से इस मंच से बोल रही हूं। जब गोपीनाथ मुंडे इस दुनिया से गए तो ऐसा लगा जैसे हम पर बिजली गिर गई हो।'' महाभारत से उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा, द्रौपदी पर जब संकट आया तो सभी से गुहार लगाई, लेकिन उसने शुरू में भगवान कृष्ण को आवाज नहीं लगाई।

प्रधानमंत्री मोदी अरावली पर्वतमाला में बंजर भूमि को उपयोगी बनाने के लिए परियोजना की शुरुआत करेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पांच जून को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर अरावली पर्वतमाला में बंजर भूमि को उपयोग लायक बनाने के लिए एक विशाल परियोजना की आधिकारिक रूप से शुरुआत करेंगे। पर्यावरण मंत्रालय के सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

सूत्रों ने बताया कि मोदी दक्षिण दिल्ली के रिज क्षेत्र में पौधे लगाएंगे, जो गुजरात से राष्ट्रीय राजधानी तक 700 किलोमीटर तक फैली पर्वत श्रृंखला का हिस्सा है। परियोजना की शुरुआत से जुड़े कार्यक्रम में दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान और गुजरात के मुख्यमंत्री भाग लेंगे। सूत्रों ने बताया कि परियोजना के तहत अरावली पर्वत श्रृंखला में आने वाले 29 जिलों में करीब एक हजार नर्सरी विकसित की जाएंगी। सरकार के अनुसार, यह पहल भारत के जलवायु लक्ष्य को पूरा करने में महत्वपूर्ण होगी, जिसके तहत 2.5 से 3 अरब टन कार्बन डाइऑक्साइड के समतुल्य अतिरिक्त कार्बन सोखने की क्षमता का निर्माण करना तथा 2030 तक 2.6 करोड़ हेक्टेयर बंजर भूमि को पुनः उपजाऊ बनाना शामिल है। सरकार ने मार्च 2023 में 'अरावली ग्रीन वॉल' पहल को पेश किया था। इस परियोजना का लक्ष्य गुजरात, राजस्थान, हरियाणा और दिल्ली में लगभग 64 लाख हेक्टेयर भूमि को शामिल करते हुए पांच किलोमीटर चौड़ा 'हरित पट्टी बफर जोन' स्थापित करना है।

भारत के लिए एआई टूल में समावेशन वैकल्पिक नहीं, आधारभूत: यूनेस्को निदेशक

unesco

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। यूनेस्को के दक्षिण एशिया क्षेत्रीय कार्यालय में निदेशक टिम कर्टिस ने मंगलवार को कहा कि भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश के लिए कृत्रिम मेधा (एआई) में समावेशन वैकल्पिक न होकर मूलभूत है।

संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (यूनेस्को) के वरिष्ठ अधिकारी ने यहां एक कार्यक्रम में कहा कि भारत की विशाल सामाजिक, आर्थिक और भाषाई विविधता को प्रतिबिंबित करने के लिए शुरू से ही प्रणालियों को बनाया जाना चाहिए। कर्टिस ने 'एआई तैयारी आकलन पद्धति' पर पांचवीं एवं अंतिम हितधारक परामर्श बैठक में कहा कि यदि एआई टूल जानबूझकर हाशिये पर मौजूद समुदायों समेत उपयोगकर्ताओं के समग्र आधार के लिए नहीं बनाए जाते हैं तो वे लाखों लोगों को पीछे छोड़ने का जोखिम उठाते हैं। कर्टिस ने कहा, ''भारत जैसे विशाल एवं जटिल देश में न केवल 1.4 अरब लोग रहते हैं, बल्कि यहां हजारों भाषाएं और अपार सामाजिक, आर्थिक और क्षेत्रीय विविधताएं भी हैं। ऐसे में यहां पर एआई में समावेशन का होना वैकल्पिक नहीं है, यह आधारभूत है।'' उन्होंने बताया कि मुख्य रूप से अंग्रेजी या शहरी आंकड़ों पर प्रशिक्षित एआई टूल को स्थानीय भाषाओं, बोलियों एवं संदर्भों के साथ संघर्ष करना पड़ सकता है और इससे आबादी का एक बड़ा हिस्सा डिजिटल सेवाओं के दायरे से बाहर रह सकता है।

गुजरात के सीमावर्ती क्षेत्र में बनेगा 'ऑपरेशन सिंदूर' पर स्मारक पार्क

अहमदाबाद/भाषा। गुजरात में कच्छ जिले के भुज शहर के पास 'ऑपरेशन सिंदूर' को समर्पित एक स्मारक पार्क बनाया जाएगा। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। यह इलाका पाकिस्तान की सीमा से नजदीक है। कच्छ क्षेत्र के मुख्य वन संरक्षक संदीप कुमार ने बताया कि आठ हेक्टेयर में बनने वाले इस पार्क को 'सिंदूर वन' कहा जाएगा, जिसमें भारतीय सशस्त्र बलों - सेना, नौसेना, वायु सेना के अलावा और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) को समर्पित विभिन्न खंड होंगे।

गुजरात का कच्छ जिला पाकिस्तान के साथ जमीनी और समुद्री दोनों सीमाएं साझा करता है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के जवाब में भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर और उसकी सीमा क्षेत्र में सक्रिय आतंकी ठिकानों को निशाना बनाकर हवाई हमले किए थे। भुज शहर के पास मिर्जापुर गांव में 'सिंदूर वन' के लिए चिह्नित इस स्थल में यह जमीन भी शामिल है, जहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 26 मई को एक जनसभा को संबोधित किया था।

ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्रों में मधुमेह, उच्च रक्तचाप की दवाओं की भारी कमी: अध्ययन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) और विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की ओर से अन्य संस्थानों के साथ मिलकर किए गए एक संयुक्त सर्वेक्षण में खुलासा किया गया कि सात राज्यों के 19 जिलों में उप-केंद्रों से लेकर उप-जिला अस्पतालों तक ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्रों में मधुमेह और उच्च रक्तचाप की दवाओं की भारी कमी है।

अध्ययन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) स्तर पर विशेषज्ञों की कमी भी पाई गई है और ये निष्कर्ष 2020-21 की ग्रामीण स्वास्थ्य सांख्यिकी रिपोर्ट के समान हैं जिसमें सीएचसी-स्तर पर चिकित्सकों (82.2 प्रतिशत) और सर्जनों (83.2.9 प्रतिशत) की कमी को दिखाया गया था। 'इंडियन जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईजेएमआर)' में प्रकाशित अध्ययन के निष्कर्ष बताते हैं कि जन स्वास्थ्य सुविधाओं के मामले में भारत में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी), जिला अस्पतालों और सरकारी मेडिकल कॉलेज में मधुमेह और उच्च रक्तचाप के उपचार के प्रबंधन बेहतर हैं। सभी केंद्रों में उपकरणों की स्थिति तो बेहतर थी लेकिन दवाओं की उपलब्धता की स्थिति निराशाजनक पाई गई। हालांकि, तृतीयक देखभाल सुविधाओं (सरकारी और निजी) में सभी दवाओं की उपलब्धता अन्य स्तरों की स्वास्थ्य केंद्रों की तुलना में बेहतर थी। सात राज्यों के 19 जिलों में स्वास्थ्य केंद्रों का एक 'क्रॉस-सेक्शनल' सर्वेक्षण किया गया जिसमें सार्वजनिक और निजी दोनों स्वास्थ्य केंद्रों का मूल्यांकन किया गया।

'क्रॉस-सेक्शनल' सर्वेक्षण अवलोकन संबंधी अध्ययन है जो एक ही समय में आबादी से आंकड़ा का विश्लेषण करते हैं। मूल्यांकन के लिए भारतीय जन स्वास्थ्य मानकों और अन्य प्रासंगिक दिशानिर्देशों का उपयोग किया गया।

भारत-यूरोपीय संघ के बीच व्यापार समझौते के जल्द निष्कर्ष पर पहुंचने की उम्मीद: फ्रांसीसी मंत्री

पेरिस/भाषा। फ्रांस ने मंगलवार को उम्मीद जताई कि भारत और यूरोपीय संघ के बीच प्रस्तावित मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) आने वाले हफ्तों या महीनों में पूरा हो जाएगा। फ्रांस के विदेश व्यापार मंत्री लॉरेंट सेंट-मार्टिन ने कहा कि दुनिया को यह दिखाना महत्वपूर्ण है कि दोनों पक्ष मुक्त व्यापार में विश्वास करते हैं, न कि व्यापार युद्ध में। उन्होंने यह भी कहा कि रक्षा क्षेत्र भारत-फ्रांस द्विपक्षीय संबंधों में सफलता की कहानियों में से एक है। मंत्री ने कहा, ''तो आइए, इस रक्षा क्षेत्र को अन्य क्षेत्रों के लिए एक उदाहरण बनाएं।'' मार्टिन ने वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल से मुलाकात के बाद यहां संवाददाताओं से कहा, ''मुझे उम्मीद है कि हम आने वाले हफ्तों, महीनों में एक समझौता कर सकते हैं, क्योंकि हमें दुनिया को यह दिखाना है कि हम मुक्त व्यापार में विश्वास करते हैं, न कि व्यापार युद्ध में।'' यूरोपीय संघ फ्रांस और जर्मनी सहित 27 देशों का समूह है।

भारत में कर व्यवस्था को और भरोसेमंद बनाने की जरूरत: आईएटीए

नई दिल्ली/भाषा। वैश्विक विमानन कंपनियों के समूह आईएटीए ने मंगलवार को कहा कि भारत की कर प्रणाली जटिल है तथा इसे और भरोसेमंद बनाने की जरूरत है।

भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते नागर विमानन बाजारों में से एक है और बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए एयरलाइन कंपनियां अपने बेड़े और नेटवर्क का विस्तार कर रही है।

अंतरराष्ट्रीय हवाई परिवहन संघ (आईएटीए) के महानिदेशक विली वॉल्श ने कहा कि भारत के विमानन बाजार में वृद्धि दर चीन से अधिक होगी। हाल के दिनों में विदेशी विमानन कंपनियों को मिले कर नोटिस के संदर्भ में, वॉल्श ने कहा कि भारत में कर प्रणाली जटिल है और इसे अधिक भरोसेमंद बनाने की आवश्यकता है।

आईएटीए वैश्विक स्तर पर 350 से अधिक विमानन कंपनियों का प्रतिनिधित्व करता है।

अब आउटसोर्सिंग से हटकर प्रौद्योगिकी, नवोन्मेषण का केंद्र बन चुका है भारत: वर्जिन अटलांटिक सीईओ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ब्रिटिश एयरलाइन वर्जिन अटलांटिक के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) शाई वेइस ने कहा है कि भारत के सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र ने आउटसोर्सिंग मॉडल से लेकर प्रौद्योगिकी एवं नवोन्मेषण का केंद्र बनने तक का सफर तय कर लिया है।

एयरलाइन ने कृत्रिम मेधा (एआई) पर आधारित समाधान के साथ एयरलाइन परिचालन को आधुनिक बनाने के लिए भारतीय आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) के साथ सात साल के नए समझौते की घोषणा की है। वेइस ने पीटीआई-भाषा के साथ खास बातचीत में कहा कि एआई का इस्तेमाल विमानन क्षेत्र को आगे बढ़ाएगा और उद्योग के लिए वैयक्तिक पसंद को ध्यान में रखते हुए सेवाओं को अगले स्तर पर ले जाएगा। वेइस ने एयरलाइन परिचालन को बेहतर करने में एआई क्षमताओं के इस्तेमाल पर कहा, ''सबसे पहले यह समझना होता है कि आप क्या खरीदना चाहते हैं, आप इसे कैसे खरीदना चाहते हैं, हम आपको सही सीट पर बैठा सकें, और यह अनुमान लगाना कि आप क्या खाना चाहते हैं। इस तरह एआई ग्राहक सेवा और संचालन से जुड़ी हर गतिविधि का अंग है।'' उन्होंने टीसीएस के साथ साझेदारी पर कहा कि भारत में प्रौद्योगिकी क्षेत्र अब आउटसोर्सिंग से नाटकीय रूप से आगे बढ़कर एक प्रौद्योगिकी एवं नवाचार का केंद्र बन चुका है।

टीसीएस ने वर्जिन अटलांटिक के साथ अपनी दो दशक पुरानी रणनीतिक साझेदारी का हाल ही में विस्तार किया है। वेइस ने इस साझेदारी पर कहा, ''यह पिछले 20 साल प्रौद्योगिकी और आउटसोर्सिंग एवं कायाकल्प के बारे में थे तो यह नवाचार के बारे में है। यह वैयक्तिकरण के बारे में है। यह निश्चित रूप से जनरेटिव एआई के बारे में है।''

इस दीर्घकालिक भागीदारी के तहत टीसीएस एआई-संचालित डिजिटल क्षमता की मदद से वर्जिन अटलांटिक के मुख्य प्रौद्योगिकी संचालन को आधुनिक बनाएगी।

कबूतरों के मल से स्वास्थ्य खतरे संबंधी याचिका पर एनजीटी ने दिल्ली सरकार को नोटिस जारी किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने कबूतरों को दाना खिलाने से पर्यावरण और स्वास्थ्य को खतरा होने संबंधी चिंता जताने वाली याचिका पर दिल्ली सरकार और अन्य से जवाब मांगा है।

एनजीटी के अध्यक्ष प्रकाश श्रीवास्तव और विशेषज्ञ सदस्य ए सेंथिल वेल की पीठ ने कहा, ''आवेदक की दलील है कि कबूतरों को दाना खिलाने और उनकी संख्या बढ़ने के बाद दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में फुटपाथ, रास्तों और यातायात वाले क्षेत्रों में कबूतर मल करते हैं और जब इन क्षेत्रों की सफाई की जाती है तो सूखे मल के विषैले तत्व धूल में मिल जाते हैं, पर्यावरण को प्रदूषित करते हैं और स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं।''

याचिका में कहा गया है कि कबूतरों के मल से हाइपरसेंसिटिविटी न्यूमोनाइटिस जैसी ''फेफड़ों की गंभीर बीमारियां'' होती हैं, जिसमें फेफड़ों में जख्म होने और सांस लेने में कठिनाई जैसी समस्याएं होती हैं।

अधिकरण ने 29 मई के अपने आदेश में कहा, ''मूल आवेदन (ओए) पर्यावरण मानदंडों के अनुपालन से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दे उठाता है।''

उसने कहा, ''प्रतिवादियों को हलफनामे के माध्यम से अपना जवाब/उत्तर दाखिल करने के लिए नोटिस जारी किया जाए।''

प्रतिवादियों में दिल्ली सरकार, दिल्ली नगर निगम, लोक निर्माण विभाग और अन्य शामिल हैं।

सुनवाई 8 अक्टूबर के लिए निर्धारित की गई है।

प्रदर्शनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मंगलवार को चेन्नई के कलैवनार आरंगम में मंगलवार को आयोजित सेम्मोझी नाल समारोह में तमिल शास्त्रीय भाषा पर प्रदर्शनी का दौरा किया। इस अवसर पर माननीय नगरपालिका प्रशासन मंत्री, माननीय तमिल विकास और सूचना मंत्री एम.पी. सामीनाथन, हिंदू धार्मिक बंदोबस्ती मंत्री पी.के. शेखरबाबू सहित अनेक उच्चाधिकारी उपस्थित थे।

विमोचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई के कलैवनार आरंगम में मंगलवारको आयोजित सेम्मोझी नाल समारोह में सूचना और जनसंपर्क विभाग द्वारा बनाई गई तमिलनाडु सरकार की चौथे वर्ष की उपलब्धियों की पुस्तिका का विमोचन मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने किया। इस मौके पर उनके साथ ही, तमिल विकास एवं सूचना मंत्री एम. पी. सामिनाथन, स्वास्थ्य एवं लोक कल्याण मंत्री एम. सुब्रमण्यम, हिंदू धार्मिक मामलों के मंत्री पी. के. शेखर बाबू, रिवाइवल द्रविड़ मुनेत्र कड़गम के महासचिव एवं सांसद वाइको, लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिलनाडु के नेता एवं सांसद थोल थिरुमावलवन, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के राज्य सचिव आई. मुथरासन, इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रो. के.एम. कादर मोहिदीन, तमिल विकास एवं सूचना विभाग के सचिव वी. राजारमन सहित अनेक गणमान्य उपस्थित थे।

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ने करुणानिधि को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी

श्रद्धांजलि : चेन्नई में मंगलवार को मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने गोपालपुरम स्थित अपने आवास पर मुथामिझारिनगर कलैगनार के चित्र पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्रद्धांजलि : चेन्नई के मरीना बीच स्थित द्रमुक के नेता एवं पूर्व मुख्यमंत्री कलैगनार करुणानिधि की 102वीं जयंती के अवसर पर उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए मुख्यमंत्री एम.के.स्टालिन। उन्होंने स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर मंत्री, सांसद, विधान सभा सदस्य, स्थानीय निकायों के प्रतिनिधि और बोर्ड के अध्यक्ष उपस्थित थे।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एवं द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) अध्यक्ष एम के स्टालिन ने मंगलवार को अपने पिता एवं पूर्व मुख्यमंत्री एम. करुणानिधि को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी और उन्हें तमिलनाडु को नई ऊंचाइयों पर ले जाने वाली एक महान तमिल हस्ती के रूप में याद किया। स्टालिन ने यहां गोपालपुरम में दिवंगत नेता की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित की।

करुणानिधि (तीन जून 1924 से सात अगस्त 2018) की जयंती को आज शास्त्रीय भाषा दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। एक जून को मदुरै में द्रमुक की महा परिषद में पारित प्रस्ताव में कहा गया था कि द्रमुक के दिवंगत अध्यक्ष और पांच बार तमिलनाडु के मुख्यमंत्री रहे करुणानिधि की जयंती तीन जून को पूरे भारत में शास्त्रीय भाषा दिवस के रूप में मनाई जाएगी।

सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर स्टालिन ने कहा, ''आज कलैंगनार का जन्मदिन है जो ज्ञान के सूरज की तरह उदय हुए और तमिलनाडु का उत्थान किया। वह तमिलनाडु जो कभी पतन की ओर था।'' उन्होंने कहा, ''हमें कलैंगनार (करुणानिधि को इसी नाम से पुकारा जाता है) के साथ जुड़े होने पर गर्व होना चाहिए जिन्होंने 50 वर्षों तक भारत को दिशा दिखाने वाले महान आंदोलन द्रविड़ मुनेत्र कषगम का नेतृत्व करके इतिहास रचा।'' द्रमुक युवा शाखा के सचिव एवं उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने पार्टी सदस्यों से अपील की कि वे महान तमिल विद्वान के जन्मदिन को शास्त्रीय भाषा दिवस के रूप में मनाएं। उन्होंने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''आइए हम 2026 के चुनावों में जीत दिलाकर पार्टी के शासन को जारी रखने का संकल्प लें।'' द्रमुक नेता नोलंबुर वी राजन ने कहा, ''तमिलनाडु के पांच बार मुख्यमंत्री रहने के अलावा, कलैंगनार एक सांस्कृतिक प्रतीक, एक निडर सुधारक और सामाजिक न्याय की वकालत करने वाले व्यक्ति थे। अपने दशकों लंबे राजनीतिक सफर में, उन्होंने हाशिए पर पड़े लोगों के अधिकारों की वकालत की और लाखों लोगों के जीवन को बेहतर बनाने के लिए अथक प्रयास किए।''

चेन्नई नहर प्रदूषण : एनजीटी ने तमिलनाडु प्रदूषण नियंत्रण निकाय को नोटिस जारी किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नईदिल्ली/चेन्नई। राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) ने चेन्नई की एक नहर में प्रदूषण के मुद्दे पर चेन्नई के जिलाधिकारी और तमिलनाडु प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सदस्य सचिव को नोटिस जारी कर उनसे जवाब मांगा है। एनजीटी ने चेन्नई की कैप्टन कॉटन नहर की स्थिति पर स्वत: संज्ञान लेते हुए सुनवाई के दौरान नोटिस जारी कर जवाब मांगा। कैप्टन कॉटन नहर में अनियंत्रित रूप से कचरा फेंके जाने और अनुपचारित मलजल के कारण यह अवरुद्ध हो गयी है।

एनजीटी के अध्यक्ष न्यायमूर्ति प्रकाश श्रीवास्तव और विशेषज्ञ सदस्य ए सेंथिल वेल की पीठ ने 29 मई के आदेश में कहा, प्राप्त समाचार के अनुसार, स्थिति विशेष रूप से एंडरसन रोड के पास, अयनावरम बस स्टैंड के पास, गंभीर हो जाती है, जहां प्लास्टिक कचरे और कूड़े के ढेर पानी के प्रवाह को गंभीर रूप से बाधित करते हैं। खबर में इस बात पर भी प्रकाश डाला गया है कि अनुपचारित कच्चे मलजल को सीधे नहर में डाला जाता है, जिससे इसकी स्थिति खराब हो रही है और कभी सक्रिय रही इस नहर का विनाश हो रहा है।

एनजीटी ने अपने आदेश में कहा, समाचार में जल प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण अधिनियम, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम और पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन दर्शाया गया है। एनजीटी ने चेन्नई के जिलाधिकारी और तमिलनाडु प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सदस्य सचिव को पक्षकार या प्रतिवादी बनाते हुए कहा, उपरोक्त प्रतिवादियों को अपना प्रत्युत्तर/उत्तर दाखिल करने के लिए नोटिस जारी किया जाता है।

केरल स्कूल के समारोह में पोक्सो आरोपी ने लिया भाग, मंत्री ने जांच के आदेश दिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के सामान्य शिक्षा विभाग ने मंगलवार को उस घटना की जांच का आदेश दिया, जिसमें यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पोक्सो) अधिनियम के तहत दर्ज मामले में एक आरोपी ने कथित तौर पर यहां एक सरकारी स्कूल में आयोजित समारोह में भाग लिया था। मीडिया की खबरों के मुताबिक, आरोपी एक प्रसिद्ध व्लॉगर भी है और उसने सोमवार को राज्य की राजधानी में स्कूल के पुन: खुलने पर प्रवेशोत्सवम में एक सेलिब्रिटी अतिथि के रूप में भाग लिया था। खबर सामने आने के बाद सामान्य शिक्षा मंत्री वी. शिवनकुट्टी के कार्यालय ने एक बयान में बताया कि मंत्री ने इस संबंध में संबंधित अधिकारियों से स्पष्टीकरण मांगा है।

बयान में कहा गया है कि जिले के शिक्षा उपनिदेशक को घटना की तत्काल जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया गया है।

मंत्री ने बढ़ी हुई 'जिम्मेदारी' का हवाला देते हुए मानद डॉक्टरेट की उपाधि लेने से इनकार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक सरकार में लोक निर्माण मंत्री सतीश जारकीहोली ने मैसूर स्थित कर्नाटक राज्य मुक्त विश्वविद्यालय (केएसओयू) से मार्च में उन्हें दी गई मानद डॉक्टरेट की उपाधि वापस लेने को कहा है।

जारकीहोली ने मंगलवार को मीडियाकर्मियों के बीच प्रसारित केएसओयू के कुलपति को लिखे पत्र में कहा कि मानद डॉक्टरेट की उपाधि से समाज में उनकी 'जिम्मेदारी बढ़ेगी' और उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए उन्हें समय की आवश्यकता होगी।

जारकीहोली ने कहा, मुझे मानद डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान करके आपने समाज में मेरी जिम्मेदारी बढ़ा दी है। मैंने समाज सेवा में जो कार्यक्रम शुरू किए हैं, उन्हें सफल बनाने के लिए मैंने कई योजनाएं बनाई हैं। लेकिन उन्हें लागू करने की मेरी बड़ी जिम्मेदारी है। इसके लिए अधिक समय की आवश्यकता होगी। केएसओयू ने 27 मार्च को जारकीहोली को डॉक्टरेट डी लिट की मानद उपाधि प्रदान की थी।

येडीयुरप्पा ने कमल हासन से कहा

माफी मांगने से कोई छोटा नहीं होता, अहंकार से कोई बड़ा नहीं होता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कन्नड़ भाषा के बारे में असंवेदनशील बातें करने के लिए अभिनेता कमल हासन की आलोचना करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता बी.एस येडीयुरप्पा ने मंगलवार को कहा कि उन्हें कन्नड़भाषियों और कर्नाटकवासियों से सम्मानपूर्वक माफी मांगनी चाहिए। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि माफी मांगने से कोई छोटा नहीं होता और न ही अहंकार से कोई बड़ा होता है।

अभिनेता से नेता बने हासन ने अपनी फिल्म 'ठग लाइफ' के प्रचार कार्यक्रम के दौरान हाल में कहा था कि कन्नड़ का जन्म तमिल से हुआ है, जिससे कन्नड़ समर्थक समूहों और सांस्कृतिक संगठनों में व्यापक आक्रोश फैल गया है।

येडीयुरप्पा ने 'एक्स' पर कहा, 'कन्नड़ सत्य है, कन्नड़ शाश्वत है' यह न केवल कन्नड़ भाषी लोगों का जयघोष है, बल्कि यह कन्नड़भाषियों की देवी मां भुवनेश्वरी के प्रति कन्नड़ लोगों की प्रतिज्ञा भी है। उन्होंने कहा, कई वरिष्ठ भाषा विशेषज्ञों ने यह साबित किया है कि कन्नड़ की उत्पत्ति किसी विशिष्ट भाषा से नहीं हुई है। यह अत्यंत खेदजनक और निंदनीय है कि इतिहासकार और भाषा विशेषज्ञ न होने के बावजूद कलाकार कमल हासन ने कन्नड़ भाषा के बारे में असंवेदनशील बात कही है। भाजपा ने कहा, उनका व्यवहार अनावश्यक रूप से शांति, सद्भाव और एकता को बाधित करता है, जो सही नहीं है। अपनी राय व्यक्त करने के उत्साह में, उन्होंने करोड़ों कन्नड़ लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचाई है, और उन्हें कन्नड़भाषियों और कन्नड़ लोगों से सम्मानपूर्वक माफी मांगनी चाहिए। माफी मांगने से कोई छोटा नहीं होता, न ही अहंकार से कोई बड़ा होता है। हासन ने हाल में माफी मांगने से इनकार कर दिया था और कहा था कि वह कानून और न्याय में विश्वास करते हैं तथा कर्नाटक के लिए उनका प्रेम सच्चा है।

एमएनएम पार्टी ने कन्नड़ भाषा विवाद पर कमल हासन के समर्थन में पोस्टर लगाए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मक्कल नीधि मय्यम (एमएनएम) पार्टी ने कन्नड़ भाषा की उत्पत्ति पर कमल हासन की टिप्पणी से पैदा विवाद में अपने नेता के समर्थन में चेन्नई में पोस्टर लगाए और दावा किया कि ''सच को माफी की जरूरत नहीं है।'' कर्नाटक में फिल्म रिलीज होने से पहले अभिनेता से माफी की मांग को लेकर कुछ कन्नड़ समर्थक समूहों ने विरोध जताया जिसके बाद ही चेन्नई में हासन के समर्थन में पोस्टर लगाए गए। यह घटनाक्रम दिग्गज अभिनेता की फिल्म 'ठग लाइफ' की रिलीज पर चर्चा के लिए बुलाई गई 'कर्नाटक फिल्म चैंबर ऑफ कॉमर्स' की बैठक से पहले हुआ। मई के आखिरी हफ्ते में चेन्नई में अपनी फिल्म के ऑडियो रिलीज के दौरान कमल ने टिप्पणी की थी कि कन्नड़ भाषा तमिल से पैदा हुई है। इस टिप्पणी के कारण ही विवाद शुरू हुआ और पड़ोसी राज्य में विरोध प्रदर्शन होने लगे।

'द साउथ इंडिया आर्टिस्ट एसोसिएशन' ने हासन का बचाव करते हुए दावा किया कि उनका उद्देश्य एकजुटता को बढ़ावा देना था। 'ठग लाइफ' सिनेमाघरों में पांच जून को रिलीज होगी और हासन ने फिल्म रिलीज के लिए निर्देश देने का अनुरोध करते हुए कर्नाटक उच्च न्यायालय का रुख किया है। हासन ने इस मामले में माफी मांगने से इनकार कर दिया है।

एमएनएम पदाधिकारी द्वारा साझा किए गए पोस्टर की तस्वीर में कहा गया है कि पार्टी अपने नेता के साथ मजबूती से खड़ी है और इस बात पर जोर दिया कि सच बोलने के लिए माफी मांगने की कोई जरूरत नहीं है।

बेंगलूरु में पांच जुलाई को होगी नीरज चोपड़ा क्लासिक प्रतियोगिता

बेंगलूरु। भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष के कारण पिछले महीने स्थगित की गई नीरज चोपड़ा क्लासिक अंतरराष्ट्रीय भाला फेंक प्रतियोगिता अब पांच जुलाई को यहां आयोजित की जाएगी। आयोजकों ने मंगलवार को यह घोषणा की। भारत में पहली बार किसी अंतरराष्ट्रीय भाला फेंक प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। पहले यह प्रतियोगिता 24 मई को आयोजित की जानी थी। इस प्रतियोगिता का आयोजन ओलंपिक में दो पदक जीतने वाले चोपड़ा द्वारा जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के सहयोग से किया जा रहा है और इसे भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) से मंजूरी मिली हुई है। श्री कंटीरवा स्टेडियम में आयोजित की जाने वाली इस प्रतियोगिता में 12 खिलाड़ी भाग लेंगे। इनमें दुनिया के सात सर्वश्रेष्ठ भाला फेंक खिलाड़ी और चोपड़ा सहित पांच भारतीय खिलाड़ी शामिल हैं।

चोपड़ा के अलावा इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले अन्य भारतीय खिलाड़ी एशियाई चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता सचिन यादव, किशोर जेना, रोहित यादव और साहिल सिलवाल हैं। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विदेशी खिलाड़ियों में दो बार के विश्व चैंपियन ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स (व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 93.07 मीटर), जर्मनी के 2016 ओलंपिक स्वर्ण विजेता थॉमस रोहलर (93.90 मीटर), कीनिया के 2015 के विश्व चैंपियन जूलियस येगो (92.72 मीटर), अमेरिका के कर्टिस थॉम्पसन (87.76 मीटर), जापान के एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता जेनकी डीन (84.28 मीटर), श्रीलंका के रुमेश पथिरेज (85.45 मीटर) और ब्राजील के लुईज मौरिसियो दा सिल्वा (86.34 मीटर) शामिल हैं। जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी करण यादव ने कहा, नीरज चोपड़ा क्लासिक को फिर से आयोजित करने के लिए बहुत बड़े सामूहिक प्रयास की जरूरत थी और हमें पांच जुलाई को इसके आयोजन की पुष्टि करते हुए खुशी हो रही है।

अलमट्टी बांध की ऊंचाई बढ़ाने प्रधानमंत्री से अनुरोध करेंगे : डीके शिवकुमार

बेंगलूरु। उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने मंगलवार को कहा कि महाराष्ट्र द्वारा उठाई गई आपत्तियों के मद्देनजर वह अलमट्टी बांध की ऊंचाई बढ़ाने पर चर्चा के लिए प्रधानमंत्री और केंद्रीय जल शक्ति मंत्री से समय मांगेंगे। मागड़ी रोड के सुमनहल्ली के पास केम्पेगौड़ा जयंती समारोह स्थल का निरीक्षण करने के बाद पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, जब मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री द्वारा उठाई गई आपत्ति का जवाब लिखेंगे, तो मैं प्रधानमंत्री और जल शक्ति मंत्री से समय मांगूंगा।

मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या दो दिनों के भीतर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के पत्र का जवाब लिखेंगे। मैंने पहले ही अपने इनपुट मुख्यमंत्री के साथ साझा कर दिए हैं। हम मुख्यमंत्री के पत्र को सभी सांसदों के साथ भी साझा करेंगे, ताकि वे इसे संसद में उठा सकें। इसके बाद हम प्रधानमंत्री से मिलने का समय मांगेंगे। यह महत्वपूर्ण है कि हम सभी एकजुट होकर राज्य के हितों की रक्षा करें, उन्होंने कहा। उन्होंने कहा, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री फडणवीस एक बुद्धिमान व्यक्ति हैं। वे पहले भी इस परियोजना के पक्ष में थे। मुझे आश्चर्य है कि उन्होंने अब यह पत्र लिखा है। राज्य के भीतर बाढ़ का प्रबंधन करना राज्य सरकारों की जिम्मेदारी है।

केम्पे गौड़ा जयंती के लिए स्थल का निरीक्षण करने के लिए उनके दौरे के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, हमने इस वर्ष केम्पे गौड़ा जयंती को इसी स्थल पर मनाने का फैसला किया है। केम्पे गौड़ा विकास प्राधिकरण को आवंटित भूमि पास में ही है। हम 27 जून को केम्पे गौड़ा विकास प्राधिकरण की आधारशिला रखेंगे और उनकी जयंती मनाएंगे। आवंटित भूमि पर केम्पे गौड़ा पर एक संग्रहालय भी बनाया जाएगा। उन्होंने बताया, हमारे स्थानीय नेताओं ने आवंटित भूमि को समाज कल्याण विभाग की भूमि के साथ बदलने का सुझाव दिया है क्योंकि इसमें एक सभागार भी है। इस स्थान से एक रेलवे लाइन भी गुजरेगी और यहां एक स्टेशन बनाया जाएगा। इस पर कैबिनेट की बैठक में विचार किया जाएगा। यह पूछे जाने पर कि क्या जमीन शहर से बहुत दूर है, उन्होंने कहा, बेंगलूरु अब बड़ा हो गया है, हम जमीन कहां आवंटित कर सकते हैं? कोई भी गोल्फ कोर्स और रेस कोर्स को छोड़ने को तैयार नहीं है। दिल्ली दौरे के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, हमें दिल्ली जाना होगा क्योंकि केंद्रीय मंत्रालय सभी वहीं स्थित हैं। मेरे पास फिलहाल दिल्ली में काम नहीं है, हो सकता है कि मुख्यमंत्री के पास हो। अगर हाईकमान मुझे बुलाएगा तो मैं दिल्ली जाऊंगा। मुझे कुछ केंद्रीय मंत्रियों से मिलने दिल्ली जाना है, लेकिन मैं उनकी नियुक्ति का इंतजार कर रहा हूं। इस खबर के बारे में पूछे जाने पर कि दो साल पूरे होने के बाद बहुप्रतीक्षित कैबिनेट विस्तार हो सकता है, आपको इस बारे में हाईकमान और मुख्यमंत्री से पूछना होगा। केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी की इस टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर कि कर्नाटक में कांग्रेस सरकार कमल हासन के प्रति नरम रुख अपना रही है, क्योंकि डीएमके गठबंधन सहयोगी है, उन्होंने कहा, भाजपा एक ऐसी पार्टी है जो 'फूट डालो और राज करो' की नीति पर चलती है। कांग्रेस एक ऐसी पार्टी है जो एकजुट होकर शासन करती है। सुई और कैंची दोनों लोहे के बने होते हैं, लेकिन एक सिलाई करती है और दूसरी काटती है। कांग्रेस सुई है। हम दो राज्यों के बीच लड़ाई नहीं करवा सकते, हमें इस तथ्य का संज्ञान लेने की जरूरत है कि बड़ी संख्या में लोग रोजाना तमिलनाडु से आते-जाते हैं। मुझे विश्वास है कि कमल हासन न्यायालय के फैसले का सम्मान करेंगे।

जैसलमेर रोजगार कार्यालय का सहायक प्रशासनिक अधिकारी जासूसी के आरोप में गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जैसलमेर। राजस्थान इंटेलिजेंस ने एक बड़ी कार्रवाई करते हुए जैसलमेर के रोजगार कार्यालय में कार्यरत सहायक प्रशासनिक अधिकारी शकुर खान को जासूसी के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस महानिरीक्षक (सीआईडी सुरक्षा) विष्णु कांत गुप्ता ने मंगलवार को बताया कि शकुर खान की गतिविधियां काफी समय से संदिग्ध पाई जा रही थी। इसके चलते सुरक्षा एजेंसियों द्वारा उस पर कड़ी निगरानी रखी जा रही थी।

निगरानी के दौरान यह जानकारी सामने आई कि शकुर खान पाकिस्तान दूतावास में कार्यरत कुछ व्यक्तियों विशेषकर अहसान-उर-रहीम उर्फ दानिश और सोहेल कमर के साथ लगातार संपर्क में था। गौरतलब है कि दानिश को पहले ही भारत सरकार द्वारा 'अवांछित व्यक्ति' घोषित कर वापस पाकिस्तान भेजा जा चुका है। उन्होंने बताया कि शकुर खान से जयपुर में केंद्रीय पूछताछ केंद्र पर सभी खुफिया एजेंसियों द्वारा विस्तार से पूछताछ की गई। पूछताछ में यह खुलासा हुआ कि वह जैसलमेर के रोजगार कार्यालय में सहायक प्रशासनिक अधिकारी जैसे महत्वपूर्ण पद पर नियुक्त है।

जांच में सामने आया कि उसने दानिश की मदद से कई बार पाकिस्तान का वीज़ा प्राप्त किया और पाकिस्तान की यात्राएं की। पाकिस्तान प्रवास के दौरान शकुर खान पर पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के एजेंटों से संपर्क साधने का आरोप है। आरोप है कि वह आईएसआई के बताए अनुसार भारत लौटकर सामरिक महत्व की सूचनाएं इकट्ठा करता था और उन्हें व्हाट्सएप जैसे माध्यमों से पाकिस्तान तक पहुंचाता था। यह एक गंभीर सुरक्षा उल्लंघन है क्योंकि उसके पद के कारण उसे कई संवेदनशील जानकारियों तक पहुंच हो सकती थी। गुप्ता ने बताया कि शकुर खान द्वारा किया गया यह कृत्य शासकीय गुप्त बात अधिनियम 1923 के तहत आता है। इसी अधिनियम के तहत उसके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

नकली बीज के खिलाफ कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा का बड़ा अभियान, श्रीगंगानगर में छापेमारी से मचा हड़कंप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीगंगानगर। राजस्थान में खेती-किसानी से जुड़े माफियाओं के खिलाफ एक बार फिर राज्य के कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने सख्त तेवर अपनाए हैं। इस बार उनका निशाना बने हैं नकली बीज बेचने वाले कारोबारी, जो पंजाब सीमा से लगे इलाकों में सक्रिय हैं। 3 जून को श्रीगंगानगर जिले के ठ्खखउज औद्योगिक क्षेत्र में कृषि विभाग, स्थानीय प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों की संयुक्त टीम के साथ किरोड़ी लाल मीणा ने औचक छापेमारी की। इस कार्रवाई के दौरान कई बीज भंडारों में अनियमितताएं सामने आईं, नकली बीज जब्त हुए और फर्जी ब्रांडिंग की पोल खुली।

कृषि मंत्री पिछले महीने भी अजमेर जिले के किशनगढ़ में 12 स्थानों पर छापेमारी कर मिलावटी खाद का भंडाफोड़ कर चुके हैं। उस समय उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा था कि खेती से जुड़ी हर आपूर्ति को शुद्ध और भरोसेमंद बनाना ही उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। अब उन्होंने नकली बीज के खिलाफ मोर्चा खोलकर यह स्पष्ट कर दिया है कि यह कार्रवाई एक मुहिम का हिस्सा है, जो तब तक जारी रहेगी जब तक कृषि आपूर्ति में पूरी पारदर्शिता न आ जाए।

3 जून की सुबह श्रीगंगानगर के ठ्खखउज औद्योगिक क्षेत्र में अचानक कई बीज भंडारों पर छापे मारे गए। खुद मंत्री किरोड़ी लाल मीणा भी हर स्टोर पर पहुंचे और बारीकी से निरीक्षण किया। एक विशेष ध्यान जयशंकर बीज भंडार पर रहा, जहां से भारी मात्रा में संदिग्ध बीज जब्त किए गए।

छापेमारी में जब्त किए गए बीजों के नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं। इनकी रिपोर्ट के बाद स्पष्ट होगा कि इनमें से कितने बीज पूरी तरह नकली या अनुपयुक्त थे। मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने प्रेस से बातचीत में कहा पंजाब से सटे इस इलाके में नकली बीज सप्लाई हो रहा है. हम किसानों के साथ धोखा नहीं होने देंगे. नकली खाद और नकली बीज बेचने वाले माफियाओं को बख्शा नहीं जाएगा. किसानों की मेहनत और उनकी फसल के साथ किसी भी प्रकार की लापरवाही या धोखाधड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने यह भी कहा कि यह अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'ईमानदार भारत, आत्मनिर्भर किसान' के सपने को साकार करने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

मजदूर महिला से डेढ़ तोला सोने के गहने ठगे, हाथ में पकड़ाया कागज का बंडल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अजमेर । राजस्थान के अजमेर जिले में एक मजदूर महिला को झांसा देकर डेढ़ तोला सोने के जेवर उतरवा लिए गए। घटना आदर्श नगर थाना क्षेत्र की है, जहां दो बदमाशों ने महिला को बातों में उलझाकर न केवल उसका भरोसा जीता, बल्कि मंदिर के बाहर उसे बेसुध कर ठगी की वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए। इस मामले ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि आमजन, खासकर महिलाएं, किस हद तक ठगी के खतरे में जी रही हैं। भूख का बहाना, ठगी का बहाना पीड़िता मदीना (पत्नी शरीफ), निवासी पालरा, रोज़ की तरह मजदूरी पर जाने के लिए अपने घर से निकली थीं। जैसे ही वह आदर्श नगर पुलिया के नीचे पहुंचीं, दो अजनबी युवक पीछे-पीछे चलने लगे। उनमें से एक ने दूसरे को भूखा बताते हुए महिला से मदद की गुहार लगाई।

वो बार-बार कह रहे थे कि उसका दोस्त दो दिन से भूखा है, बस दो रोटी खिला दो बहन जी, यह कहते हुए मदीना की आंखें भर आईं। इंसानियत के नाते मदीना रुकीं, और यही उनकी सबसे बड़ी भूल साबित हुई। बातचीत के दौरान एक बदमाश ने जेब से कागज़ का बंडल निकालकर दिखाया और झूठा दावा किया कि इसमें बहुत पैसा है। महिला को लालच देने के बहाने उन्होंने विश्वास दिलाया कि थोड़ी देर उनके साथ चलने से उसका भी भला होगा।

बातों ही बातों में दोनों युवक उसे पास के मंदिर तक ले गए। वहां उन्होंने महिला को किसी 'शुभ काम' की बात कहकर गहने उतारने को कहा। बदले में कागजों का एक बंडल पकड़ाया जो बाहर से नोटों का दिखाई देता था। लेकिन जैसे ही महिला को होश आया और उसने बंडल खोला, अंदर केवल अख़बार की कतरनें थीं। मदीना ने बताया कि वह पिछले 26 वर्षों से मजदूरी करके अपने बच्चों का पेट पाल रही हैं। उन्होंने मेहनत से जोड़े अपने जेवरों को अपनी अंतिम पूंजी माना था। उनके मुताबिक, ये जेवर उनके बच्चों की शादी-ब्याह और संकट की घड़ी के लिए रखे गए थे। मैंने अपनी पसीने की कमाई गंवा दी। पुलिस ही अब आख़िरी उम्मीद है, पीड़िता ने थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाते हुए कहा।

आदर्श नगर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। थाना प्रभारी के निर्देशन में एक विशेष टीम बनाई गई है जो घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच कर रही है। थाना प्रभारी के अनुसार हमने घटनास्थल की गहनता से जांच की है। कई सीसीटीवी कैमरों के फुटेज इकट्ठा किए गए हैं। आरोपियों की पहचान होते ही उन्हें जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। यह घटना कोई अपवाद नहीं है। राजस्थान और अन्य राज्यों में इस तरह की घटनाएं आए दिन सामने आती हैं, जहां झांसे में लेकर खासकर बुजुर्गों, महिलाओं और मजदूर वर्ग को निशाना बनाया जाता है। अपराधी मानवीय भावनाओं जैसे भूख, बीमारी, या धार्मिक आस्था का फायदा उठाकर बड़ी आसानी से ठगी की वारदातों को अंजाम देते हैं।

जोधपुर में बनेगा देश का पहला वंदे भारत मेंटेनेंस डिपो : त्रिपाठी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर । जोधपुर रेलवे मंडल देश का पहला वंदे भारत ट्रेन मेंटेनेंस डिपो स्थापित करने की दिशा में अग्रसर है। जोधपुर डीआरएम अनुराग त्रिपाठी ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में बताया कि यह डिपो भगत की कोठी में 167 करोड़ रुपये की लागत से बन रहा है। यह 600 मीटर के क्षेत्र में फैला होगा और इसमें तीन रेल लाइनें होंगी, जिससे एक साथ तीन वंदे भारत ट्रेनों का रखरखाव संभव होगा। यह डिपो इस साल के अंत तक तैयार हो जाएगा और पूरे देश की वंदे भारत ट्रेनों के रखरखाव का केंद्र बनेगा। डीआरएम त्रिपाठी ने बताया कि वंदे भारत, भारत की पहली सेमी-हाई-स्पीड ट्रेन, की संख्या देशभर में बढ़ रही है। अभी तक इनका रखरखाव पुराने डिपो में ही हो रहा है, लेकिन जोधपुर में बन रहा यह विशेष डिपो अव्यवस्थाओं को दूर करेगा। यह अपने आप में अनूठा है और आधुनिक सुविधाओं से लैस होगा। देश में चार अन्य वंदे भारत डिपो भी बनाए जा रहे हैं, लेकिन जोधपुर का डिपो सबसे पहले तैयार होगा।

उन्होंने बताया कि इस परियोजना के साथ-साथ, 200 करोड़ रुपये की लागत से एक नई वर्कशॉप और ट्रेनिंग सेंटर भी बनाया जाएगा। इस वर्कशॉप का प्रस्ताव स्वीकृति के लिए भेजा गया है और जल्द ही इसकी टेंडर प्रक्रिया शुरू होगी। यह वर्कशॉप डिपो के पास ही होगी, जहां कर्मचारियों को वंदे भारत ट्रेनों के रखरखाव के लिए प्रशिक्षण दिया जाएगा। डीआरएम ने कहा कि नए डिपो और वर्कशॉप के लिए कर्मचारियों की भर्ती रेलवे भर्ती बोर्ड के माध्यम से होगी, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। यह न केवल रेलवे के बुनियादी ढांचे को मजबूत करेगा, बल्कि वंदे भारत ट्रेनों की सेवा गुणवत्ता और विश्वसनीयता को भी बढ़ाएगा। आधुनिक तकनीकों से युक्त यह डिपो ट्रेनों के रखरखाव को और कुशल बनाएगा। डीआरएम ने बताया कि इस परियोजना से जोधपुर रेलवे मंडल का महत्व और बढ़ेगा, और यह देश की रेल सेवाओं में एक नया कीर्तिमान स्थापित करेगा। इस डिपो और वर्कशॉप के निर्माण से जोधपुर रेलवे के क्षेत्र में एक अग्रणी केंद्र के रूप में उभरेगा।

जोधपुर में एसीबी का ट्रैप, डिस्कॉम का हेल्पर 25 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर। जोधपुर में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने बड़ी कार्रवाई करते हुए बिजली विभाग (डिस्कॉम) के एक हेल्पर को छ25,000 की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। आरोपी कर्मचारी ने एक उपभोक्ता से बिजली कनेक्शन का लोड कम करने की एवज में यह रिश्वत मांगी थी। -उइ की यह कार्रवाई एक सटीक योजना और साहसिक कार्रवाई का परिणाम रही।

जानकारी के मुताबिक, पूरा मामला तब सामने आया जब एक उपभोक्ता ने एसीबी से संपर्क कर शिकायत दर्ज करवाई कि डिस्कॉम का एक हेल्पर उससे लोड कम करने के बदले 25,000 की मांग कर रहा है।

शिकायतकर्ता ने बताया कि यह राशि कर्मचारी ने सीधे नॉर्मल कॉल पर बातचीत करते हुए मांगी। शिकायत को गंभीरता से लेते हुए एसीबी ने प्राथमिक सत्यापन किया और उसके बाद ट्रैप की योजना बनाई गई। -टीम का नेतृत्व कर रहीं इंस्पेक्टर सुनीता डूडी ने पूरी योजना को बारीकी से अंजाम दिया। तय योजना के अनुसार परिवादी ने आरोपी को रिश्वत की राशि देने के लिए बुलाया और जैसे ही आरोपी ने 25,000 की रकम ली, एसीबी की टीम ने उसे रंगे हाथों गिरफ्तार कर लिया। इस पूरी कार्रवाई के दौरान आवश्यक कानूनी प्रक्रिया का पालन किया गया।

एसीबी अब इस मामले की गहराई से जांच कर रही है कि कहीं आरोपी कर्मचारी किसी बड़े भ्रष्टाचार नेटवर्क का हिस्सा तो नहीं। साथ ही यह भी देखा जा रहा है कि क्या अन्य उपभोक्ताओं से भी इसी प्रकार रिश्वत ली गई है।

पश्चिमी विक्षोभ के असर से राजस्थान के अनेक इलाकों में मौसम बदला

जयपुर। पश्चिम के एक नए विक्षोभ के असर से राजस्थान के अनेक इलाकों में मौसम बदल गया और हल्की से लेकर भारी बारिश हुई। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार मंगलवार सुबह साढ़े आठ बजे तक के चौबीस घंटे में पश्चिमी राजस्थान में कहीं कहीं पर तथा पूर्वी राजस्थान में कुछ स्थानों पर हल्की से मध्यम दर्जे की वर्षा दर्ज की गई। वहीं, पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं पर भारी वर्षा हुई। इस दौरान सबसे अधिक बारिश झालरापाटन (झालावाड़) व रामगंजमंडी (कोटा) में हुई जो 81 मिलीमीटर दर्ज की गई। राजधानी जयपुर सहित कई इलाकों में मंगलवार सुबह से ही बादल छाए हुए हैं और बूंदाबांदी से लेकर बारिश तक हो रही है।

वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान की समस्त तैयारियां हो सुनिश्चित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। विश्व पर्यावरण दिवस एवं गंगा दशमी के अवसर पर गुरुवार (5 जून) को प्रदेशव्यापी वंदे गंगा जल संरक्षण- जन अभियान का शुभारंभ होगा। राज्य सरकार ने 5 से 20 जून तक प्रदेशभर में वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान संचालित करने का फैसला किया है। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने विभागीय अधिकारियों को अभियान को सफल बनाने एवं जन-जन का अभियान बनाने के लिए आपसी समन्वय एवं सहयोग से अभियान की समस्त तैयारियां सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए हैं। अभियान के तहत जिले के जल स्रोतों, नदियों, जलधाराओं एवं तालाबों पर जल पूजन, कलश यात्रा, जागरूकता कार्यक्रम व स्वच्छता अभियान, जल संग्रहण संरचनाओं का लोकार्पण और नई संरचनाओं के शिलान्यास जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। हर गांव और हर व्यक्ति को अभियान से जोड़ते हुए इसे जन आंदोलन का स्वरूप दिया जाएगा। जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी ने जिले के भामाशाहों, जनप्रतिनिधियों, स्वयंसेवी संस्थाओं, कार्मिकों और आमजन से अभियान को जन आंदोलन बनाने का आह्वान किया। मुख्य कार्यकारी अधिकारी, जिला परिषद श्रीमती प्रतिभा वर्मा ने बताया कि ग्रामीण विकास एवं पंचायतीराज, वन विभाग, जल संसाधन एवं अन्य विभागों के 56.49 करोड़ की लागत के 1778 कार्यों का लोकार्पण एवं अवलोकन किया जावेगा। शहरी क्षेत्र में गलता जी तीर्थ, जग्गा की बावडी, खनिया की बावड़ी एवं अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर श्रमदान, पौधारोपण तथा साफ सफाई का आयोजन किया जावेगा। साथ ही, विभिन्न विभागों के करीब 99 करोड़ की कुल 1 हजार 949 कार्यों का शुभारंभ एवं शिलान्यास किया जायेगा। अभियान के तहत 1 हजार 500 राजस्व गांवों में पौधारोपण के कार्य भी किया जाएंगे।

उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान महापुरुषों के प्रतिमाओं की सफाई, अस्पतालों की स्वच्छता, तुलसी के पौधों का वितरण जैसी अन्य गतिविधियों भी आयोजित होंगी। इस अवसर पर जल पूजन कार्यक्रम किया जाएगा। य्र

जागरूकता बढ़ाने और परंपरागत स्रोतों के संरक्षण के प्रति जागरूक करने के विशेष कार्यक्रमों का भी राजस्व ग्राम स्तर पर आयोजन किया जावेगा। उन्होंने बताया कि वंदे गंगा जल संरक्षण अभियान को सफल बनाने के लिए अधिकांश विभागों को जिम्मेदारी दी गई है साथ ही जिले समस्त जन प्रतिनिधियों से भी अनुरोध किया गया है, अभियान में राजीविका स्वयं सहायता समूह की महिलाओ का ग्रामीण क्षेत्र में जागरूकता के लिये विशेष सहयोग लिया जावेगा।

मुख्य सचिव ने राजस्थान की व्यापार प्रतिस्पर्धात्मकता बढ़ाने हेतु अनुपालन में कमी और विनियमन शिथिलीकरण अभ्यास की प्रगति की भी समीक्षा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने 'राइजिंग राजस्थान' ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट 2024 के दौरान हस्ताक्षरित एमओयू के क्रियान्वयन की प्रगति की द्वि-साप्ताहिक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में उन्होंने तीव्र भूमि आवंटन की प्रक्रिया को एमओयू क्रियान्वयन में तेजी लाने के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया और जिला कलेक्टरों को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने जिलों में भूमि बैंकों के निर्माण प्रक्रिया को तेज करें। पंत ने पर्यटन विभाग को निर्देश दिया कि वह उदयपुर, जैसलमेर, पुष्कर (अजमेर) आदि प्रमुख जिलों में सरकारी भूमि की नीलामी एवं आवंटन हेतु उपयुक्त प्रावधान तैयार करे। उन्होंने कहा कि भूमि की उपलब्धता के साथ-साथ विभागों को एमओयू के शीघ्र क्रियान्वयन को प्रोत्साहित करने तथा विभिन्न क्षेत्रों में नियामक ढांचे को सरल बनाने की दिशा में भी कार्य करना चाहिए। एमओयू क्रियान्वयन पर द्वि-साप्ताहिक समीक्षा बैठक के अतिरिक्त, पंत ने भारत सरकार द्वारा निर्देशित अनुपालन में कमी और विनियमन शिथिलीकरण अभ्यास की प्रगति की समीक्षा बैठक की भी अध्यक्षता की। विभागीय सचिवों ने पंत को केंद्रीय मंत्रिमंडल सचिवालय द्वारा निर्धारित प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में अनुपालन सुनिश्चित करने हेतु उठाए गए प्रमुख कदमों से अवगत कराया।

मुख्य सचिव ने राजस्थान कारखाना एवं बॉयलर विभाग, श्रम विभाग, रीको, बीआईपी, राजस्व विभाग, शहरी विकास एवं आवास विभाग (यूडीएच), राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (आरएसपीसीबी) सहित विभिन्न विभागों द्वारा उठाए गए कदमों की समीक्षा की। जिन प्राथमिकता वाले क्षेत्रों पर कार्य किया जा रहा है, उनमें उद्योगों के लिए जीआईएस-आधारित भूमि बैंक का विकास, भवन विनियमों में संशोधन, सिंगल विंडो अप्रूवल प्रणाली, लघु अपराधों को अपराध की श्रेणी से बाहर करना, कुछ वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों को डी-लाइसेंस करना, महिलाओं को रात्रि शिफ्ट में और कुछ खतरनाक उद्योगों में कार्य की अनुमति देना आदि शामिल हैं।

मुख्य सचिव ने यह भी निर्देश दिया कि राज्य सरकार के विशिष्ट व्यापारिक सुधारों को भारत सरकार के ऑनलाइन पोर्टल पर 'बेस्ट प्रैक्टिस' के रूप में अपलोड किया जाए और अन्य राज्यों द्वारा अपनाए गए सुधारों से भी सीख ली जाए। यह उल्लेखनीय है कि 9 से 11 दिसंबर 2024 को आयोजित निवेश सम्मेलन के दौरान सरकार ने छ35 लाख करोड़ के रिकॉर्ड निवेश प्रस्तावों पर हस्ताक्षर किए थे। मार्च में आयोजित 'खचझ-उढ 1.0' कार्यक्रम में सरकार ने घोषणा की थी कि सम्मेलन के तीन माह के भीतर ही छ3.08 लाख करोड़ के एमओयू धरातल पर उतारे जा चुके हैं। इस बैठक में उपस्थित अधिकारियों में लोक निर्माण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव प्रवीण गुप्ता, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के प्रमुख शासन सचिव अजिताभ शर्मा, राजस्व विभाग के प्रमुख शासन सचिव दिनेश कुमार, स्थानीय स्वशासन विभाग के प्रमुख शासन सचिव राजेश यादव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य तथा परिवार कल्याण विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़, खान एवं पेट्रोलियम विभाग के प्रमुख शासन सचिव टी. रविकांत, खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामले विभाग के प्रमुख शासन सचिव सुबीर कुमार, विधि एवं कानूनी मामले विभाग के प्रमुख शासन सचिव ब्रजेन्द्र कुमार जैन, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के आयुक्त रोहित गुप्ता तथा राजस्थान सरकार के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

फर्जी खाद फैक्ट्री मामले में भाजपा ने कांग्रेस पर लगाए गंभीर आरोप

अजमेर। जिले के किशनगढ़ में हाल ही में पकड़ी गई फर्जी खाद फैक्ट्री को लेकर राजस्थान की राजनीति गरमा गई है। इस प्रकरण को लेकर सत्ताधारी भाजपा और विपक्षी कांग्रेस आमने-सामने हैं। मंगलवार को अजमेर शहर भाजपा अध्यक्ष रमेश सोनी और देहात भाजपा अध्यक्ष जीतमल प्रजापत ने एक संयुक्त प्रेस वार्ता में कांग्रेस पर तीखे आरोप लगाए और फैक्ट्री के संचालन की जिम्मेदारी पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार पर थोप दी। शहर भाजपा अध्यक्ष रमेश सोनी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि किशनगढ़ में जिन फर्जी खाद फैक्ट्रियों का भंडाफोड़ हुआ है।

युवक ने 'दृश्यम' की तर्ज पर बुजुर्ग महिला की हत्या की, शव को जलाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

उदयपुर। उदयपुर में एक युवक ने कथित तौर पर हिंदी फिल्म दृश्यम की तर्ज पर एक बुजुर्ग महिला की हत्या की, उसके शव को जलाया और अवशेषों को झील में फेंक दिया। पुलिस ने सोमवार को यह दावा करते हुए बताया कि आरोपी को पकड़ लिया गया है। उदयपुर के सहायक पुलिस अधीक्षक (एएसपी) मनीष कुमार ने बताया कि आरोपी रमेश लोहार पांचवीं कक्षा के बाद स्कूल नहीं गया और उसे 'क्राइम पेट्रोल' जैसे अपराध केंद्रित शो देखना पसंद है। आरोपी ने पुलिस को बताया कि उसने महिला चांदी बाई (70) के गहने लेने के लिए उसे मारा।

पुलिस के अनुसार, ढोली जाति की चांदी बाई नौ जनवरी को एक कार्यक्रम में ढोल बजा रही थी तो आरोपी ने उसे देखा। चांदी बाई ने चांदी और सोने के कई आभूषण पहने हुए थे। पुलिस ने बताया कि रमेश ने 22 फरवरी को चांदी बाई को एक कार्यक्रम में प्रस्तुति देने के लिए 1,100 रुपये की पेशकश करके अपनी वैन में बैठाया। इसके बाद वह घंटों गाड़ी चलाता रहा और अधिकारियों को गुमराह करने के लिए अपना मोबाइल फोन बंद कर दिया।

कुमार ने बताया कि रात में आरोपी उसे एक सुनसान जगह पर ले गया और उसके सिर पर कई बार पेचकस से वार किया। अधिकारी ने बताया कि इसके बाद आरोपी ने उसके आभूषण उतारे, उसका मोबाइल फोन बंद कर दिया और मोबाइल फोन के साथ उसका बैग पास के जंगल में फेंक दिया। पुलिस ने बताया कि इसके बाद रमेश गाड़ी में शव को लेकर 'डंपिंग यार्ड' में गया और वहां शव को कूड़ा-करकट से ढक दिया और यह सुनिश्चित करने के लिए उसमें आग लगा दी कि कोई निशान न बचे। आरोपी अगली सुबह महिला के अवशेषों को एकत्र करने के लिए 'डंपिंग यार्ड' में दोबारा गया और उन्हें एकत्र करके झील में फेंक दिया।

पुलिस अधिकारी के अनुसार, आरोपी को लगता था कि फिल्म दृश्यम की तरह अगर शव नहीं मिला तो वह पकड़ा नहीं जाएगा। हालांकि, अपराधी मात खा गया क्योंकि पुलिस को डंपिंग यार्ड में महिला की खोपड़ी के छोटे-छोटे टुकड़े मिले थे। फोरेंसिक जांच के दौरान रमेश की वैन में खून के धब्बे और मानव बाल भी पाए गए। एएसपी कुमार ने बताया कि बाद में बालों के नमूनों का मिलान चांदी बाई के बिस्तर से लिए गए नमूनों से किया गया। यह मामला चांदी बाई के परिवार द्वारा उसके लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराने के दो महीने बाद सामने आया।

मामले में कोई प्रगति न होने से चिंतित चांदी बाई के रिश्तेदारों ने वरिष्ठ अधिकारियों से संपर्क किया और आशंका जताई कि उसकी हत्या की गई होगी। इसके बाद प्राथमिकी दर्ज की गई और जांच एएसपी को सौंप दी गई। जांच के दौरान कुछ लोगों ने दावा किया कि उन्होंने 22 फरवरी को एक वैन से चांदी बाई को जाते देखा था। जांचकर्ताओं को पता लगा कि वैन रमेश की थी। पुलिस ने बताया कि रमेश स्थानीय कृत्रिम आभूषण विक्रेता है और उसका आपराधिक रिकॉर्ड रहा है।

अधिकारी ने कहा, रमेश को पूछताछ के लिए लाया गया और शुरू में उसने किसी भी तरह की संलिप्तता से इनकार किया। चांदी बाई के कॉल रिकॉर्ड के तकनीकी विश्लेषण से पता चला कि उसके लापता होने के दिन दोनों एक ही स्थान पर थे।

पुलिस को रमेश के 'डिजिटल फुटप्रिंट' मिलने पर एक बड़ी सफलता मिली, जिससे पता चला कि उसने गूगल पर दृश्यम और ''क्राइम शो'' खोजे। एएसपी कुमार ने बताया कि आरोपी ने इंटरनेट पर शरीर को सड़ने में कितना समय लगता है और मोबाइल ट्रैकिंग के जरिए पुलिस अपराधियों को कैसे पकड़ती है जैसे सवाल भी खोजे थे। आरोपी की पत्नी ने भी पुष्टि की कि उसे अक्सर देर रात तक 'क्राइम शो' देखने की आदत थी।

किसी तरह की छीजत और कोताही नहीं होगी बर्दाश्त : रविकांत

जयपुर। खान एवं भूविज्ञान विभाग के प्रमुख सचिव टी. रविकान्त ने कहा है कि राजस्व लक्ष्यों की शतप्रतिशत प्राप्ति विभागीय अधिकारियों की पहली प्राथमिकता है। राजस्व वसूली में किसी भी स्तर पर किसी तरह की छीजत और कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। विभागीय अधिकारियों की वर्चुअल बैठक को संबोधित करते हुए रविकान्त ने बताया कि खान विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष के शुरुआती दो माह में 1306 करोड़ 44 लाख रुपए का राजस्व अर्जित किया गया है जो गत वित्तीय वर्ष की इसी अवधि से 57 करोड़ 71 लाख रुपए अधिक है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा खान विभाग के राजस्व लक्ष्यों की वसूली पर विशेष ध्यान देने और अवैध खनन गतिविधियों पर प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए जाते रहे हैं। प्रमुख सचिव टी. रविकान्त ने कहा कि अवैध खनन गतिविधियों के दौरान विभाग द्वारा लगाई जा रही शास्ति राशि की वसूली भी उसी सख्ती से सुनिश्चित की जाए ताकि अवैध गतिविधि करने से हतोत्साहित किया जा सके। उन्होंने खान विभाग के अधिकारियों की फील्ड में प्रभावी प्रजेन्स की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि इससे सरकार और खनन क्षेत्र से जुड़े लोगों के बीच बेहतर समन्वय, अवैध गतिविधियों पर रोक व राजस्व और रोजगार की बढ़ोतरी होगी।

केंद्र और असम सरकार मिलकर राज्य में बाढ़ पीड़ितों की मदद करेंगे : हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हें आश्वासन दिया है कि केंद्र सरकार बराक और ब्रह्मपुत्र घाटियों में बाढ़ प्रभावित लोगों को मदद मुहैया कराएगी।

मुख्यमंत्री ने बाढ़ के मौजूदा हालात की समीक्षा की और कछार जिले के छह राहत शिविरों में प्रभावित लोगों से मुलाकात की।

शर्मा ने जिले के सिलचर में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, '' प्रधानमंत्री ने आज सुबह मुझे फोन किया और मैंने उन्हें राज्य की दोनों घाटियों में बाढ़ प्रभावित लोगों की पीड़ा से अवगत कराया। '' उन्होंने लोगों को आश्वस्त किया कि राज्य सरकार द्वारा भी बाढ़ पीड़ितों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराई जाएगी। हिमंत शर्मा ने कहा, '' मैंने प्रशासन को लंबी प्रक्रिया खत्म करने और बाढ़ पीड़ितों को त्वरित राहत पहुंचाने के निर्देश दिए हैं। जिला आयुक्त प्रभावित लोगों के नाम वेबसाइट पर अपलोड करेंगे।''

शर्मा ने कहा कि पिछले साल की तरह ही, ''हम बाढ़ प्रभावित प्रत्येक परिवार की समयबद्ध तरीके से मदद करेंगे। हम बाढ़ से प्रभावित लोगों के साथ खड़े हैं और उनकी समस्याओं को हल करने के लिए प्रतिबद्ध हैं – चाहे वह बाढ़ से संबंधित हो या उससे परे।'' उन्होंने बताया कि कछार जिले में बराक नदी का खतरे का स्तर 19.83 मिलीमीटर है, लेकिन यह अब 21 मिलीमीटर से ऊपर बह रही है।

उन्होंने बताया कि पिछले कुछ दिनों से हो रही भारी बारिश के कारण सिलचर शहर के अधिकतर इलाके जलमग्न हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि 10 पंपों की मदद से जमा पानी को साफ किया जा रहा है और यदि जरूरत पड़ी तो और भी मशीनें लगाई जाएंगी। असम में बाढ़ की स्थिति मंगलवार को भी गंभीर बनी रही और 20 से अधिक जिलों में 5.35 लाख से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। मौसम विभाग ने राज्य के कई हिस्सों में और बारिश का पूर्वानुमान जताया है।

पाक ब्रह्मपुत्र नदी के प्रवाह को लेकर बनावटी डर फैलाने की कोशिश कर रहा : हिमंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को कहा कि भारत द्वारा सिंधु जल संधि (आईडब्ल्यूटी) को स्थगित करने के बाद, पाकिस्तान एक नया बनावटी डर फैलाने की कोशिश रहा है कि अगर चीन ने देश में ब्रह्मपुत्र का प्रवाह रोक दिया तो क्या होगा।

शर्मा ने स्पष्ट किया कि चीन ने ऐसा कोई कदम उठाने की घोषणा नहीं की है, लेकिन अगर ऐसा होता भी है, तो इससे असम में हर साल आने वाली बाढ़ को कम करने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि ब्रह्मपुत्र का अधिकांश प्रवाह पूर्वोत्तर भारत में भारी बारिश के कारण उत्पन्न होता है, जबकि हिमनदों का पिघलना और तिब्बत में सीमित वर्षा नदी के जल प्रवाह में केवल 30-35 प्रतिशत का योगदान देती है।

मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर इस शीर्षक से पोस्ट किया है कि 'क्या होगा यदि चीन भारत को ब्रह्मपुत्र का पानी देना बंद कर दे? पाकिस्तान के नए डराने वाले विमर्श का जवाब'।

उन्होंने कहा, भारत द्वारा पुरानी सिंधु जल संधि से निर्णायक रूप से अलग हो जाने के बाद, पाकिस्तान अब एक और बनावटी डर फैलाने रहा है: क्या होगा यदि चीन ने भारत को ब्रह्मपुत्र का पानी देना बंद कर दिया? शर्मा ने कहा, अ ा इ य इस मिथक को तोड़ें – भय से नहीं, बल्कि तथ्यों और राष्ट्रीय स्पष्टता के साथ।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि चीन जल प्रवाह को कम कर भी दे (यह संभव नहीं है, क्योंकि चीन ने कभी किसी आधिकारिक मंच पर इसकी धमकी नहीं दी है या संकेत नहीं दिया है), तो इससे वास्तव में भारत को असम में हर साल आने वाली बाढ़ को कम करने में मदद मिल सकती है, जिससे हर साल लाखों लोग विस्थापित होते हैं और आजीविका नष्ट होती है।

उन्होंने कहा कि सिंधु जल संधि के तहत पिछले 74 वर्षों तक पानी का भरपूर फायदा उठाने वाला पाकिस्तान अब घबरा रहा है क्योंकि भारत अपने संप्रभु अधिकारों को सही तरीके से पुनः प्राप्त कर रहा है।

शर्मा ने दावा किया कि ब्रह्मपुत्र एक ऐसी नदी है जो भारत में बढ़ती है, सिकुड़ती नहीं। उन्होंने बताया कि ब्रह्मपुत्र के कुल प्रवाह में चीन का योगदान केवल 30-35 प्रतिशत है – जो मुख्यतः हिमनदों के पिघलने और तिब्बत में सीमित वर्षा के माध्यम से होता है।

शेष 65-70 प्रतिशत हिस्सा 'भारत में अरुणाचल प्रदेश, असम, नगालैंड और मेघालय में होने वाली मूसलाधार मानसूनी वर्षा के कारण मिलता है। उन्होंने कहा कि भारत-चीन सीमा (तूतिंग) पर ब्रह्मपुत्र नदी का प्रवाह लगभग 2,000 से 3,000 घन मीटर प्रति सेकेंड होता है, जबकि असम के मैदानी इलाकों जैसे गुवाहाटी में मानसून के दौरान यह प्रवाह बढ़कर 15,000 से 20,000 घन मीटर प्रति सेकंड तक पहुंच जाता है।

शर्मा ने कहा कि ब्रह्मपुत्र ऐसी नदी नहीं है जिस पर भारत निर्भर है – यह एक वर्षा आधारित भारतीय नदी है, जो भारतीय क्षेत्र में प्रवेश करने के बाद और मजबूत हो जाती है। उन्होंने कहा, ब्रह्मपुत्र को किसी एक स्रोत से नियंत्रित नहीं किया जाता है – यह हमारी भौगोलिक स्थिति, हमारे मानसून और हमारे सभ्यतागत लचीलेपन से संचालित होती है।

महबूबा मुफ्ती ने की कश्मीरी पंडितों की घाटी में सम्मानजनक वापसी की मांग

तुलमुल्ला (कश्मीर)/भाषा। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने मंगलवार को कहा कि जम्मू कश्मीर में कोई भी राजनीतिक प्रक्रिया कश्मीरी पंडितों की घाटी में सम्मानजनक वापसी के बिना अधूरी है। महबूबा मुफ्ती ने यह भी कहा कि बंदूकें शांति प्राप्त करने के लिए कोई समाधान नहीं हो सकतीं हैं। उन्होंने कहा, ''पीडीपी का मानना है कि जम्मू कश्मीर का समाधान बंदूकों के बल पर नहीं हो सकता। इसका कोई सैन्य समाधान नहीं है और आतंकवादियों की बंदूक भी कोई समाधान नहीं है। इसके लिए राजनीतिक प्रक्रिया होनी चाहिए।''

महबूबा ने यहां पत्रकारों से कहा, ''लेकिन यह राजनीतिक प्रक्रिया तब तक पूरी नहीं हो सकती जब तक हमारे कश्मीरी पंडित भाई-बहन उचित सम्मान के साथ कश्मीर वापस नहीं लौटते, यहां नहीं बसते और अपनी भूमिका नहीं निभाते।'' पूर्ववर्ती जम्मू कश्मीर राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री ने मध्य कश्मीर के गंदेरबल जिले में खीर भवानी वार्षिक मेले के अवसर पर माता रागन्या देवी के मंदिर का दौरा किया। माता रागन्या देवी को माता खीर भवानी के नाम से भी जाना जाता है।

असम में बाढ़ की स्थिति गंभीर, 5.35 लाख से अधिक लोग प्रभावित

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हिमंत से की बात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुवाहाटी/भाषा। असम में बाढ़ की स्थिति मंगलवार को भी गंभीर बनी रही और 20 से अधिक जिलों में 5.35 लाख से अधिक लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। मौसम विभाग ने राज्य के कई हिस्सों में और बारिश का पूर्वानुमान जताया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा से फोन पर बात कर बाढ़ की स्थिति की जानकारी ली और उन्हें केंद्र सरकार से पूर्ण समर्थन का आश्वासन दिया। शर्मा दिन में कछार जिले का दौरा करेंगे, जो मौजूदा बाढ़ से राज्य के सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में से एक है। क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्र (आरएमसी), गुवाहाटी ने मंगलवार के लिए चार जिलों धुबरी, दक्षिण सलमारा मानकाचर, ग्वालपारा और कोकराझार के लिए 'ऑरेंज अलर्ट' जारी किया है।

'ऑरेंज अलर्ट' का मतलब है 'कार्रवाई के लिए तैयार रहें' और यह तब जारी किया जाता है जब अलग-अलग स्थानों पर 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से तेज हवा के साथ आंधी और बिजली गिरने तथा भारी से बहुत भारी वर्षा होने की संभावना होती है। राज्य के 11 जिलों के लिए 'येलो अलर्ट' जारी किया गया है। 'येलो अलर्ट' का मतलब है 'नजर रखें/जानकारी लेते रहें'। यह तब जारी किया जाता है जब अलग-अलग स्थानों पर 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से तेज हवा के साथ आंधी और बिजली गिरने की आशंका रहती है।

अधिकारियों ने बताया कि बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है और बाढ़ तथा भूस्खलन की घटना में मरने वालों की संख्या 11 हो गई है, जबकि दो अन्य लापता हैं। कई इलाकों में भारी बारिश के कारण राज्य में सड़क, रेल और नौका सेवाएं प्रभावित हुई हैं। राज्य के 22 जिलों के 65 राजस्व मंडलों और 1,254 गांवों में 5.15 से अधिक लोग प्रभावित हुए हैं। इसमें श्रीभूमि सबसे अधिक प्रभावित जिला है जहां 1,94,172 लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। कुल 165 राहत शिविरों में 31,212 विस्थापित लोगों को आश्रय दिया गया है, जबकि 157 अन्य राहत वितरण केंद्र भी कार्यरत हैं। पिछले 24 घंटे में 12,610 हेक्टेयर क्षेत्र में लगी फसलें जलमग्न हो गई हैं, जबकि 94 जानवर बाढ़ के पानी में बह गए हैं।

चित्रकार अवनींद्रनाथ टैगोर के 'धरोहर' घर को ढहाने के मामले में प्रशासन कार्रवाई करेगा

कोलकाता/भाषा। चित्रकार अवनींद्रनाथ टैगोर के जिस घर को धरोहर घोषित किया जा चुका है उसे लगभग ढहाने के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ प्रशासन कार्रवाई करेगा। टैगोर ने शांतिनिकेतन में 19वीं सदी में 'बंगाल स्कूल ऑफ आर्ट' आंदोलन में अहम भूमिका निभाई थी।

बोलपुर नगर पालिका की अध्यक्ष पर्ण घोष ने मंगलवार को कहा कि 'आवास' नामक संपत्ति के वर्तमान मालिक को नगर निकाय द्वारा नोटिस देकर कहा गया था कि वह निर्माण में किसी भी तरह से छेड़छाड़ न करें, लेकिन इसके बावजूद उसने एक रियल एस्टेट डेवलपर को काम पर लगाया और इमारत के बड़े हिस्से को ढहा दिया।

पश्चिम बंगाल के बीरभूम जिले में शांतिनिकेतन बोलपुर नगर पालिका के अंतर्गत आता है। घोष ने कहा, ''हम 'आवास' (निवास) के जो भी अवशेष बचे हैं, उनकी रक्षा करेंगे। हम उन लोगों के खिलाफ कार्रवाई करेंगे जिन्होंने नगर पालिका द्वारा दिए गए नोटिस की अनदेखी करते हुए तोड़फोड़ की है।''

सोशल मीडिया पर ध्वस्त संपत्ति से जुड़ा एक वीडियो वायरल हुआ है जिसमें घर का केवल द्वार बचा दिख रहा है, जिस पर 'आवास' नाम अब भी बरकरार है।

विपक्ष के 16 दलों ने प्रधानमंत्री से संसद का विशेष सत्र बुलाने का आग्रह किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन के 16 घटक दलों ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर आग्रह किया कि पहलगाम आतंकी हमले, 'ऑपरेशन सिंदूर' और अमेरिका द्वारा 'संघर्ष विराम' की घोषणा किये जाने से जुड़े मुद्दों चर्चा के लिए संसद का विशेष सत्र बुलाया जाए।

कांग्रेस, समाजवादी पार्टी (सपा), तृणमूल कांग्रेस, शिवसेना (उबाठा) और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेताओं ने यहां बैठक के बाद इस बारे में जानकारी दी। लोकसभा में कांग्रेस, सपा, तृणमूल कांग्रेस, द्रमुक, शिवसेना (उबाठा), राजद, नेशनल कांफ्रेंस, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (माकपा), इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल), भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा), रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी (आरएसपी), झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो), भाकपा (माले) लिबरेशन, केरल कांग्रेस, वीसीके और एमडीएमके के सदन के नेताओं ने इस पत्र पर हस्ताक्षर किए हैं। पत्र पर हस्ताक्षर करने वाले नेताओं में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और सपा के अध्यक्ष अखिलेश यादव प्रमुख हैं। बैठक के बाद कांग्रेस सांसद दीपेंद्र हुड्डा ने कहा, ''इंडिया गठबंधन के 16 राजनीतिक दलों ने प्रधानमंत्री मोदी को पत्र लिखा है कि संसद का विशेष सत्र बुलाया जाना चाहिए। पहलगाम आतंकवादी हमले तथा भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष के दौरान, सभी विपक्षी दल हमारे सशस्त्र बलों और भारत सरकार के समर्थन में खड़े थे।''

मेरे और परिवार के खिलाफ साजिश रच रही झारखंड सरकार : बाबूलाल मरांडी

रांची/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता बाबूलाल मरांडी ने झामुमो की अगुवाई वाली झारखंड सरकार पर उनके और उनके परिवार के खिलाफ 'षड्यंत्र रचने' का आरोप लगाया है। दूसरी ओर सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) ने मरांडी के दावे को 'सस्ती लोकप्रियता हासिल करने का साधन' करार दिया।

राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता मरांडी ने सोमवार को जारी एक बयान में आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन सरकार नहीं, बल्कि एक 'संगठित गिरोह' संचालित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह ''राज्य में व्याप्त भ्रष्टाचार, उत्पीड़न और भय की राजनीति'' से प्रभावित जनता की आवाज उठाते रहेंगे। मरांडी ने आरोप लगाया कि ''सरकार के करीबी आपराधिक प्रवृत्ति वाले शीर्ष अधिकारी'' उनके, उनके परिवार और करीबी सहयोगियों के खिलाफ साजिश रचने में लगे हुए हैं। उन्होंने दावा किया, ''इन अधिकारियों को सरकार का संरक्षण प्राप्त है... वे मुझे डराने-धमकाने में लगे हुए हैं, जिसमें मुझे झूठे मामलों में फंसाना और चरित्र हनन करना शामिल है।''

डर से कहीं अधिक शक्तिशाली है आस्था: खीर भवानी मेले में कश्मीरी पंडितों ने कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तुलमुल (जम्मू-कश्मीर)/भाषा। तुलमुल में आयोजित वार्षिक खीर भवानी मेले में काफी संख्या में कश्मीरी पंडितों ने जुटकर इस बात को साबित कर दिया कि आस्था हमेशा डर पर भारी पड़ती है। पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले और सीमा पर बढ़े तनाव के बाद यह आयोजन हो रहा है।

मध्य कश्मीर के गांदरबल जिले में विशाल चिनार के पेड़ों की छाया में बसा रागन्या देवी का मंदिर मेले के लिए सजाया गया है, देशभर से हजारों श्रद्धालु ज्येष्ठ अष्टमी पर पूजा-अर्चना कर रहे हैं। श्रीनगर से 25 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में स्थित मंदिर और घाटी में मेले के मार्गों के चारों ओर बहु-स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है। कश्मीरी पंडित नन्ना जी ने कहा, ''पहलगाम हमले का कुछ असर जरूर है।'' उन्होंने कहा कि यह हमला हिंदू-मुस्लिम भाईचारे को खत्म करने के लिए पाकिस्तान की एक चाल है। उन्होंने कहा, ''लेकिन मैं यह कहना चाहता हूं कि कश्मीरी पंडित, कश्मीरी मुसलमान के बिना अधूरा है और कश्मीरी मुसलमान, कश्मीरी पंडित के बिना अधूरा है।'' उन्होंने कहा कि ऐसी साजिशों को कभी सफल नहीं होने दिया जाएगा। तीर्थयात्रियों में कई ऐसे हैं जिनके परिवारों को तनाव फैलने के बाद कश्मीर घाटी को छोड़ना पड़ा था। कई लोगों का कहना था कि उन्होंने घाटी में शांति और अपने 'वनवास' को समाप्त करके सम्मानजनक वापसी के लिए प्रार्थना की। जम्मू में रहने वाले कश्मीरी पंडित भारत भूषण ने कहा कि मेले में श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या पहलगाम हमलावरों को करारा जवाब है। भूषण ने कहा, ''यह उनके लिए करारा जवाब है। हम उन्हें बताना चाहते हैं – आस्था डर से कही अधिक शक्तिशाली है और डर पर हमेशा आस्था भारी पड़ती है।''

ओडिशा : पुलिस ने विस्फोटकों के गोदामों पर की छापेमारी, दो लोग गिरफ्तार

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा में पुलिस ने मंगलवार को तीन जिलों में विस्फोटकों के गोदामों पर छापेमारी कर विस्फोटक अधिनियम का उल्लंघन करने के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार किया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। एक दिन पहले सुरक्षाबलों ने सुंदरगढ़ जिले में माओवादियों द्वारा लूटी गई 2.5 टन से अधिक विस्फोटक सामग्री बरामद की थी।

पश्चिमी रेंज के पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) बृजेश राय ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि खनिज संपदा से संपन्न सीमावर्ती पुलिस जिलों-- सुंदरगढ़, राउरकेला और क्योंझर में विस्फोटकों के गोदामों पर छापेमारी की जा रही है। डीआईजी ने बताया कि विशेष जांच दल (एसआईटी) ने सुंदरगढ़ जिले के बड़ागांव स्थित गोदाम के मालिक श्रवण अग्रवाल और विस्फोटक सामग्री की ढुलाई में इस्तेमाल ट्रक के चालक को गिरफ्तार कर लिया है।

उन्होंने बताया कि ये गिरफ्तारियां रविवार को रघुनाथपाली थाना क्षेत्र में एक स्थान पर विस्फोटक से लदे दो ट्रकों का पता चलने के बाद की गईं। पुलिस के मुताबिक पेट्रोल पंप के पास विस्फोटकों से लदे ट्रक मिले थे जिसके बाद एक चालक को गिरफ्तार किया गया। विस्फोटकों को किसी अज्ञात स्थान पर ले जाया जा रहा था। पुलिस ने बताया कि यह विस्फोटक सामग्री श्रवण अग्रवाल के गोदाम से ली गई थी।

प्रशांत किशोर के खिलाफ बिहार के मंत्री अशोक चौधरी ने मानहानि का मुकदमा दर्ज कराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के मंत्री और जनता दल-यूनाइटेड (जदयू) के वरिष्ठ नेता अशोक चौधरी ने मंगलवार को जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया। उन्होंने किशोर के उस आरोप पर यह कदम उठाया जिसमें कहा गया था कि चौधरी ने अपनी बेटी के लिए लोकसभा का टिकट हासिल करने के लिए केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान को रिश्वत दी थी।

चौधरी ने दीवानी अदालत में पत्रकारों से बातचीत में यह जानकारी दी। उनकी बेटी शांभवी समस्तीपुर के आरक्षित निर्वाचन क्षेत्र से लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) की सांसद हैं। जदयू के राष्ट्रीय महासचिव ने कहा, ''प्रशांत किशोर द्वारा मेरी बेटी और मेरे खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने के बाद, मैंने उन्हें एक कानूनी नोटिस भेजा, लेकिन उनका जवाब असंतोषजनक था। उन्होंने जो कहा उसके लिए उन्हें स्पष्ट रूप से कोई पछतावा नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''इसलिए मैंने कानूनी उपाय का सहारा लिया है। मैं प्रशांत किशोर को चुनौती देता हूं कि वह साबित करें कि मैंने चिराग पासवान को पैसे दिए थे या माफी मांगने के साथ अपने आरोप वापस लें। अगर जरूरत पड़ी तो मैं इस लड़ाई को उच्चतम न्यायालय में ले जाने के लिए दृढ़ प्रतिज्ञ हूं।'' पूर्व चुनाव रणनीतिकार किशोर कुछ समय तक जदयू से भी जुड़े रहे थे। चौधरी ने किशोर को ''एक राजनीतिक व्यापारी'' करार दिया जिसने शुल्क के बदले सभी तरह की पार्टियों को अपनी सेवाएं दी हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रमुख सहयोगी चौधरी ने आरोप लगाते हुए कहा, ''इसके विपरीत, हम पूरी तरह से राजनीति में हैं। मैं खुद दूसरी पीढ़ी का नेता हूं। मेरी बेटी सबसे कम उम्र की सांसद है। प्रशांत किशोर एक दलित लड़की की इस उपलब्धि को पचा नहीं पा रहे हैं।'' चौधर के पिता दिवंगत महावीर चौधरी कांग्रेस शासित बिहार सरकार में मंत्री थे। इस घटनाक्रम पर अभी किशोर की प्रतिक्रिया नहीं मिल सकी।

ओडिशा : एमबीबीएस छात्र की रैगिंग के आरोप में दो हाउस सर्जन पर जुर्माना

ब्रह्मपुर/भाषा। ओडिशा के ब्रह्मपुर में सरकारी एमकेसीजी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के चौथे वर्ष के एमबीबीएस छात्र की रैगिंग करने के आरोप में दो हाउस सर्जन पर 25-25 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक कॉलेज की रैगिंग निरोधक समिति ने सोमवार को हुई बैठक में यह निर्णय लिया। एमकेसीजी मेडिकल कॉलेज की प्राचार्य सुचित्रा दास ने कहा, ''हमें रैगिंग निरोधक प्रकोष्ठ से शिकायत मिली है कि 12 मई को हाउस सर्जन द्वारा एमबीबीएस चतुर्थ वर्ष के एक छात्र की रैगिंग की गई। प्राप्त शिकायत पर चर्चा करने के लिए रैगिंग निरोधक समिति की बैठक आयोजित की गई।'' उन्होंने बताया कि गहन विचार-विमर्श करने के बाद समिति ने घटना में शामिल दोनों हाउस सर्जन पर 25-25 हजार रुपए का जुर्माना लगाने का फैसला किया है। कॉलेज प्राचार्य ने कहा, ''इस मामले की आंतरिक जांच के बाद रैगिंग निरोधक समिति को पता चला कि पीड़ित छात्र के साथ शारीरिक रूप से मारपीट नहीं की गई थी, बल्कि उसे मानसिक रूप से परेशान किया गया था।''

आशीर्वाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मुम्बई में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के निवेदन पर द्वारकाशारदापीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी श्री सदानन्द सरस्वतीजी महाराज का आगमन उनके निज निवास पर हुआ। महाराजश्री का स्वागत अभिनंदन एवं पादुका पूजन कर मुख्यमंत्री ने आशीर्वाद प्राप्त किए। आगामी वर्ष में होने वाले नाशिक कुंभ एवं गौवंश की रक्षा, आतंकवादियों से देश की सुरक्षा पर जैसे, अनेक विषयों पर महाराजश्री से मुख्यमंत्री ने दिशा निर्देश प्राप्त किए।

भारत की वजह से क्रिकेट की 100 साल बाद ओलंपिक में वापसी हुई : ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री सुनक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक ने एक सदी के लंबे अंतराल के बाद ओलंपिक में क्रिकेट की वापसी को भारत के बढ़ते वैश्विक प्रभाव से जोड़ा और साथ ही इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) और भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) की परिवर्तन लाने की काबिलियत की सराहना की।

क्रिकेट को 1900 के बाद पहली बार लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 की स्पर्धाओं की सूची में शामिल किया गया है। अहमदाबाद में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) और पंजाब किंग्स के बीच आईपीएल फाइनल देखने पहुंचे सुनक ने कहा, ''यह 21वीं सदी में भारत के असर का संकेत है। भारत के जुनून, भारत के स्वाद का वैश्विक प्रभाव है। क्रिकेट की 100 साल में पहली बार ओलंपिक में वापसी क्यों हुई है? भारत की वजह से। ''

क्रिकेट के मुरीद सुनक ने पिछले कुछ वर्षों में आईपीएल से आये बदलावों के बारे में बात की। उन्होंने कहा, ''आईपीएल ने क्रिकेट को बदल दिया है। मुझे लगता है कि कोई भी क्रिकेटर चाहे कहीं का भी हो, वो अपने करियर के किसी भी पड़ाव में आईपीएल में खेलना चाहता है। महिलाओं के क्रिकेट के लिए भी यह बहुत बढ़िया रहा है क्योंकि महिला प्रीमियर लीग में काफी ज्यादा लड़कियां खेल रही हैं। '' उन्होंने आईपीएल के इंग्लैंड के क्रिकेट पर हुए असर की बात करते हुए जैकब बेथेल जैसे खिलाड़ियों के हालिया प्रदर्शन का उदाहरण दिया। सुनक ने कहा, ''इंग्लैंड के खिलाड़ियों को देखिये जो इसमें खेल रहे हैं और वे बेहतर होते जा रहे हैं। मैं पिछले हफ्ते एजबेस्टन में इंग्लैंड बनाम वेस्टइंडीज वनडे देख रहा था। जैकब बेथेल ने शानदार पारी खेली। आईपीएल ने क्रिकेटर के तौर पर उनमें सुधार किया है। '' आईपीएल में आरसीबी के लिए खेलने वाले बेथेल ने तीन मैच की शृंखला के पहले वनडे में इंग्लैंड की 238 रन की बड़ी जीत में 53 गेंद में 82 रन की पारी खेली। पैंतालिस वर्षीय राजनेता आरसीबी के दिग्गज विराट कोहली और फ्रेंचाइजी के प्रति अपने लगाव को नहीं छिपा सके। वह चाहते हैं कि आरसीबी का आईपीएल ट्रॉफी का 18 साल का इंतजार खत्म हो जाए।

सुविचार

राधा की आंखों में बसे कृष्ण का प्रेम किसी किताब की तरह है, जितनी बार पढ़ो, नई कहानी मिलती है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ड्रोनः रणभूमि का नया योद्धा

यूक्रेन ने जबर्दस्त ड्रोन हमले से रूस के दर्जनों सैन्य विमानों को नुकसान पहुंचाकर युद्ध को और भड़का दिया है। इस हमले ने रक्षा क्षेत्र में ड्रोन तकनीक के महत्त्व को उजागर कर दिया है। रूस अपने एयर डिफेंस सिस्टम और बेहतरीन मिसाइलों के लिए जाना जाता है। इसके बावजूद यूक्रेनी ड्रोन घुसपैठ करने में कामयाब हो गए और रूस के सैन्य विमानों पर तबाही बनकर टूटे! करोड़ों रुपए के विमान कुछ हजार के ड्रोन के सामने बेबस साबित हुए। हमने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान भी ड्रोन का किरदार देखा था। भारतीय ड्रोन जहां पाकिस्तानी शहरों पर मंडराते देखे गए, वे अपने लक्ष्य तक पहुंचे, वहीं पाकिस्तान ने भी अपने ड्रोन के जरिए लड़ाई का रुख मोड़ने की कोशिश की थी। भविष्य में ड्रोन उन्नत होते जाएंगे और ये सैन्य क्षमताओं को प्रभावित करने की स्थिति में होंगे। जिसके पास ज्यादा शक्तिशाली और घातक ड्रोन्स की फौज होगी, युद्ध के मैदान में उसका पलड़ा भारी होगा। इस समय भारत को ड्रोन विकास की ओर विशेष ध्यान देना होगा। इस दौड़ में हमारा देश किसी से पीछे नहीं रहना चाहिए। भारत ड्रोन तकनीक पर काम कर रहा है। उसने ड्रोन विकास और काउंटर-ड्रोन सिस्टम में प्रगति की है, लेकिन भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार रहना होगा। चीन ड्रोन स्वार्म तकनीक पर काम कर रहा है, जिसके तहत एकसाथ सैकड़ों या हजारों ड्रोन्स को उड़ाकर हमला किया जा सकता है। वह एआई आधारित ड्रोन में भी निवेश कर रहा है। ये आत्मघाती ड्रोन स्वायत्त रूप से अपना लक्ष्य चुनते हैं और हमला करते हैं। चीन अपनी रक्षा तैयारियों के बारे में ज्यादा जानकारी सार्वजनिक नहीं करता, लेकिन ऐसी रिपोर्टें हैं, जिनमें दावा किया गया है कि वह जैमिंग-प्रतिरोधी ड्रोन पर काम कर रहा है। इन ड्रोन्स को ऐसे डिजाइन किया जाता है कि ये जैमिंग को चकमा देने में कामयाब हो सकते हैं।

भारत इन चुनौतियों से अवगत है। उसने कैटस ड्रोन में महारत हासिल की है, जो विभिन्न सैन्य मिशन के लिए उपयुक्त होते हैं। ड्रोन का इस्तेमाल सिर्फ युद्ध तक सीमित नहीं है। इनके जरिए जासूसी भी की जा सकती है। याद करें, पिछले साल एलओसी और अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पाकिस्तान के कितने ड्रोन देखे गए थे? उनमें से कई तो बीएसएफ ने मार गिराए थे। पाकिस्तान इन ड्रोन्स के जरिए भारतीय इलाकों की जासूसी करता है। इसके अलावा ड्रग्स और हथियारों की तस्करी जैसे काम ड्रोन की उड़ान से आसान हो गए हैं। पहले, इसके लिए तस्कर आते-जाते थे। इसमें बहुत जोखिम होता था। सुरक्षा बलों की नजर पड़ने पर 'माल' तो पकड़ा ही जाता था, तस्कर भी मारा जाता था। एफपीवी जैसे सस्ते ड्रोन विस्फोटक ले जाने में सक्षम होते हैं। ये टैंक और विमान को भी तबाह कर सकते हैं। ये ड्रोन भविष्य में उन्नत होने के साथ अधिक चुनौतीपूर्ण हो सकते हैं। इसके लिए भारत को लेजर-आधारित एंटी-ड्रोन सिस्टम और जैमिंग तकनीक विकसित करने पर ध्यान देना होगा। वर्तमान में पाकिस्तान में उच्च स्तर पर इस बात को लेकर जरूर चर्चा की जा रही होगी कि उसके ड्रोन, जो उसे तुर्किये से मिले थे, कैसे नाकारा साबित हो गए? वह भविष्य में उन खामियों को दूर करने की कोशिश करेगा। इसके जवाब में हमें एआई-आधारित डिटेक्शन सिस्टम को मजबूत करना चाहिए, ताकि दुश्मन का कोई भी ड्रोन भारतीय वायु क्षेत्र में आते ही धराशायी कर दिया जाए। एलओसी पर ड्रोन डिटेक्शन रडार और रेडियो फ्रीक्वेंसी जैमर तैनात करने से पाकिस्तानी ड्रोन गतिविधियों पर कुछ लगाम लगेगी। बांग्लादेश के साथ लगती अंतरराष्ट्रीय सीमा पर भी ड्रोन संबंधी सतर्कता बढ़ानी होगी। इन दिनों उसकी चीन से नजदीकी बढ़ गई है।

ट्वीटर टॉक

वर्ल्ड चैंपियन डी. गुकेश को 'नॉर्वे चेस टूर्नामेंट' के छठे राउंड में विश्व के नंबर-1 खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन को पराजित करने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ। यह विजय न केवल उनकी अद्भुत प्रतिभा, दृढ़ आत्मविश्वास एवं गहन रणनीतिक कौशल का परिचायक है।

-भजनलाल शर्मा

आज सुबह आध्यात्मिक ऊर्जा से आच्छादित श्री बिजोलाई बालाजी आश्रम जाकर श्री बालाजी महाराज एवं मां चामुंडा के चरणों में धोक लगाई। दादागुरु महंत श्री बलवंत गिरी जी एवं सदगुरु महंत श्री किशन गिरी जी महाराज की पवित्र समाधियों के भी दर्शन किए।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

ऐसा लगता है बजरी माफिया के सामने राजस्थान की भाजपा सरकार ने पूरी तरह सरेंडर कर दिया है या फिर सरकार के नुमाइंदों की बजरी माफिया से मिलीभगत इतनी बढ़ गई है कि रोज जा रही इन जानों का भी कोई मूल्य नहीं रह गया है।

-अशोक गहलोत

प्रेरक प्रसंग

सुंदरता का भ्रम

राजकुमार भद्रबाहु स्वयं को सुंदर पुरुष मानता था। एक दिन वह अपने मित्र सुकेशी के साथ घूमने निकला। रास्ते में वे एक श्मशान के पास से गुजरे। वहां जलती चिता से उठती आग की लपटों को देखकर भद्रबाहु चौंक गया। उसने सुकेशी से पूछा, 'यहां क्या हो रहा है?' सुकेशी ने शांत स्वर में उत्तर दिया, 'युवराज, किसी मृत व्यक्ति का अंतिम संस्कार किया जा रहा है।' यह सुनकर भद्रबाहु ने आश्चर्य से कहा, 'ओह! तब तो वह ज़रूर बहुत कुरूप रहा होगा!' सुकेशी बोला, 'नहीं युवराज, वह व्यक्ति अत्यंत सुंदर था।' भद्रबाहु और चकित होकर बोला, 'तो फिर उसे जलाया क्यों जा रहा है?' सुकेशी ने गंभीरता से कहा, 'मृत देह को एक दिन जलना ही होता है, चाहे वह कितना ही सुंदर क्यों न हो। मृत्यु के बाद शरीर नष्ट होने लगता है, इसलिए उसका अंतिम संस्कार आवश्यक है।' यह सुनकर भद्रबाहु का सारा अहंकार चूर-चूर हो गया। उसके मन में वैराग्य-भाव जाग गया। अंततः उसे एक महात्मा के पास ले जाया गया। जब महात्मा ने उसकी स्थिति जानी, तो उन्होंने समझाया, 'कुमार, तुम एक बड़ी भूल कर रहे हो। सुंदरता शरीर में नहीं, मन में होती है। हमारे विचार, भाव और कर्म यदि सुंदर हैं, तो वही वास्तविक सुंदरता है।

सामयिक

बाल श्रम : एक राष्ट्रीय समस्या

ई. प्रभात किशोर

मोबाइल : 8544128428

मानव जगत में उत्साह, उमंग एवं सपनों के सर्वोत्कृष्ट जीवित पुंज बच्चों को माना गया है, जो देश के भावी कर्णधार एवं प्रगति के दर्पण हैं। उनका चमकता या मुरझाया चेहरा इस बात का प्रतीक है कि देश कितना सम्पन्न है या विपन्न। राष्ट्र के इन धरोहरों के कंधों पर मानवता के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला रखी जा सकती है। आदि काल से ही बच्चों का लालन-पालन सामाजिक उत्तरदायित्व रहा है और उनकी आवश्यकताओं की पूर्ति में परिवार की अहम भूमिका रही है। मानव के जीवन में बाल्यावस्था एक ऐसी स्थिति है जिसमें उसको सबसे अधिक सहायता, देखभाल, प्रेम, सहानुभूति एवं सुरक्षा की आवश्यकता होती है। जिन व्यक्तियों का बाल्यावस्था सुखी, संतुष्ट एवं सुरक्षित गुजरता है, उनका व्यक्तित्व और भविष्य सामान्यतः संतुलित होता है और वे एक विकासशील, सशक्त और उन्नत समाज की संरचना में रचनात्मक योगदान करते हैं।

किन्तु विडम्बना है कि बड़ी संख्या में इन बच्चों का जीवन संघर्ष एवं असामान्य परिस्थिति में गुजरता है। जिन नौनिहालों को बड़े होकर इंजीनियर, डॉक्टर, वैज्ञानिक, अधिकारी, व्यवसायी, उत्कृष्ट किसान आदि बनकर राष्ट्रनिर्माण में अपना योगदान देना चाहिए था, वे अपनी एवं अपने परिवार की रोजी रोटी के जुगाड़ में बालश्रम से ग्रसित हैं। बालश्रम की समस्या का प्रमुख कारण है-गरीबी। बालश्रमिक वस्तुतः वैसे परिवारों से आते हैं जहां अपना आय बढ़ाने हेतु उनके पास मानव बल के अलावा अन्य कोई साधन नहीं होता। ये बच्चे अपने आय की बदौलत परिवार की आवश्यकताओं की पूर्ति में सहायक होते हैं। स्वतंत्रता प्राप्ति के 68 सालों के उपरान्त भी हमारा राष्ट्र गरीबी के गर्त से बाहर नहीं निकल पाया है। भारतवर्ष की आर्थिक नीति नागरिकों की अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतर पायी है तथा जीवन यापन की बुनियादी आवश्यकताओं से एक बड़ा तबका वंचित है। बालश्रम की समस्या राष्ट्रीय स्तर पर उपेक्षित रही है।

बालश्रम की समस्या हर युग में किसी न किसी रूप में विद्यमान रही है। प्राचीन काल से हीं भारतवर्ष के कृषि समाज में बच्चे कृषि एवं पारम्परिक व्यवसाय में मदद करते हुए काम सीखते थे। औद्योगिकीकरण के बढ़ने के साथ हीं बालश्रम का स्वरूप भी बदला। पारम्परिक व्यवसाय के बंधन टूटते गए और बच्चों को भी एक स्वतंत्र व्यक्ति के रूप में अपने नियोक्ता के पास मजदूरी के लिए जाना पड़ा। उन्हें कार्यस्थल पर अभिभावकों के संरक्षण से वंचित होना पड़ा और अपनी समस्याओं से स्वयं हीं जुझना पड़ा।

बालश्रम को बढ़ावा देने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका उद्योगपतियों, कारखानेदारों और सम्पन्न किसानों की है जो बच्चों को काम धंधे में लगाना चाहते हैं क्योंकि छोटे बच्चे कम मजदूरी में चुपचाप घंटों काम कर लेते हैं। कामगार परिवारों की जितने हाथ उतने काम की घातक मानसिकता ने भी बालश्रम को बढ़ाने में अहम भूमिका निभायी है। इस प्रकार समाज में उनकी शिक्षा एवं सर्वांगींण विकास पर ध्यान नहीं दिया जाता और उनका सम्पूर्ण बचपन हीं मजदूरी की बेदी पर स्वाहा हो जाता है। उनके हाथों में पुस्तक एवं लेखनी के बदले हंसिया, फावड़ा या अन्य उपकरण हीं दिखायी पड़ते हैं।

अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबद्धता के संदर्भ में 18 वर्ष की आयु पूरी नहीं करनेवालों को नाबालिग माना गया है जबकि भारतीय संविधान 14 वर्ष तक को हीं बच्चा मानता है। 0-6 आयुवर्ग के बच्चों के लिए महिला एवं बाल विकास विभाग तथा 6-14 आयुवर्ग के बच्चों के लिए शिक्षा विभाग को उत्तरदायी बनाया गया। परन्तु 14-18 वर्ष की आयुवर्ग के बच्चों का कोई माई-बाप नहीं है। हालांकि वर्ष 2018-19 में समग्र शिक्षा के क्रियान्वयन के उपरान्त 14-18 आयुवर्ग के बच्चों की जबाबदेही काफी हद तक शिक्षा विभाग के कंधों पर डाली गयी है। बालश्रम की समस्या सिर्फ भारतवर्ष हीं नहीं , सम्पूर्ण विश्व में किसी न किसी रूप में व्याप्त है। यूनिसेफ द्वारा जून 2005 की रिपोर्ट के अनुसार दुनिया के समस्त देशों में लगभग 15 करोड़ बच्चे बालश्रम से जुड़े हैं जिसमें आधे से अधिक एशिया महादेश में हैं। एशिया में लगभग 61 प्रतिशत, दक्षिण अफ्रिका में 33 प्रतिशत तथा लैटिन अमेरिका वं अन्य देशों में 7 प्रतिशत बालश्रमिक कार्यरत हैं। स्पष्ट है कि दुनिया के विकसित देशों यथा- ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस, अमेरिका आदि में भी कम संख्या में हीं सही, किसी न किसी रूप में कम उम्र के बच्चे धनोपार्जन में लगे हुए हैं।

सबसे अधिक प्रभावित देशों में भारत, ब्राजील, हैती, केन्या, पाकिस्तान, श्रीलंका, इंडोनेशिया, बंगला देश शामिल है। भारतवर्ष में अनेक ऐसे उद्योग हैं जो बाल मजदूरी के सहारे हीं फलफूल रहे हैं। संगठित क्षेत्र में जम्मू-कश्मीर का कालीन उद्योग, फिरोजाबाद का कांच उद्योग, तमिलनाडु के शिवकाशी में आतिशबाजी व माचिस उद्योग, मध्य प्रदेश में मंदसौर का स्लेट उद्योग, कानपुर एवं आगरा का चमड़ा उद्योग, राजस्थान एवं गुजरात का हीरा पॉलिश उद्योग, अलीगढ़ का ताला उद्योग, मिर्जापुर का हस्तशिल्प गलीचा उद्योग, होजियरी उद्योग, बीड़ी, मत्स्य पालन, चीनी मिट्टी के बर्तन वाले उद्योगों का अस्तित्व बालश्रमिकों के सस्ते श्रम पर टिका हुआ है। देश के अधिकांश ढाबे एवं होटल बालश्रमिकों के लगातार 15-16 घंटे कार्य के कारण हीं गुलजार हैं। और तो और जिन नीति निर्धारकों पर बालश्रम के उन्मूलन में निर्णायक भूमिका की अपेक्षा है, उन्हीं के घरों एवं कार्यालयों में बड़ी संख्या में बालश्रमिक आसानी से मिल जाते हैं।

10 दिसम्बर 1996 को सर्वोच्च न्यायालय ने अपने ऐतिहासिक निर्णय में बालश्रम को गैर कानूनी घोषित करते हुए रोजगारदाताओं को आदेश दिया था कि वे बच्चों को खतरनाक उद्योगों से अलग रखें। संविधान की धारा-24 के अनुसार 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों को किसी कारखाना या खान में नियोजित नहीं किया जाएगा जबकि धारा-39 में बच्चों को दमन एवं शोषण के विरूद्ध संरक्षण का प्रावधान है। अनुच्छेद-45 में 14 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए अनिवार्य एवं निःशुल्क शिक्षा की व्यवस्था है। बच्चों को निःशुल्क एवं अनिवार्य प्रारम्भिक शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के तहत शिक्षा का अधिकार दिया गया है। इसके अतिरिक्त कारखाना अधिनियम 1948, बागान श्रमिक अधिनियम 1951, मोटर परिवहन कामगार अधिनियम 1961, अनुबंध श्रम अधिनियम 1970, बंधुआ श्रम प्रणाली समाप्ति अधिनियम 1976 बनाये गये। सन 1987 में राष्ट्रीय बाल श्रम नीति के द्वारा बाल श्रमिकों को शोषण से बचाने, उनकी शिक्षा, स्वास्थ्य, मनोरंजन एवं सामान्य विकास कार्यक्रमों पर बल दिया गया। सन 1990 में श्रम मंत्रालय तथा यूनिसेफ के सहयोग से राष्ट्रीय श्रमिक संस्थान में बाल श्रमिकों के संबंध में अध्ययन, शिक्षण और प्रशिक्षण, शोध परियोजनाएं आदि चलाने के लिए बाल श्रमिक सेल की स्थापना की गयी।

भारतवर्ष में तमाम प्रयासों एवं कानूनों के बावजूद बिना सामाजिक, पारिवारिक एवं शासकीय सामंजस्य के बालश्रम की समस्या का निदान संभव नहीं है। मानवता के इस अभिशाप को दूर करने में जन-जन को अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी होगी। आज के वैज्ञानिक युग में भले हीं हमारे कदम चांद एवं मंगल ग्रहों पर पहुंच गये हों, वैश्वीकरण के दौर में भले हीं दुनिया छोटी नजर आए, हम कितना भी विकास का ढिंढोरा पीट लें, यह निर्विवाद सत्य है कि जबतक बालश्रम का समूल उन्मूलन नहीं होगा तब तक एक स्वस्थ, सशक्त एवं समृद्ध राष्ट्र की परिकल्पना बेमानी होगी।

मुद्दा

न्यूज़ चैनलों पर गाली गलौज और मारपीट

अखबारों की साख और विश्वसनीयता आज भी कायम

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 8949519406

देश के नामी गिरामी न्यूज़ चैनलों पर अभद्रता, गाली गलौज और मारपीट की घटनाएं अब आम हो गई है। न्यूज चैनल्स की डिबेटस की भाषाई मर्यादाएं और गरिमा तार तार हो रही है। ऐसा लगता है डिबेटस में झूठ और नफरत का खुला खेल खेला जा रहा है। डिबेटस और चैनलों का ये गिरता स्तर लोकतंत्र के लिए खतरनाक है। प्रमुख पार्टियों के प्रवक्ता जिस प्रकार की भाषा का प्रयोग कर रहे है वह निश्चय ही निंदनीय और शर्मनाक है। देश में कुकुरमुत्तों की तरह न्यूज़ चैनलों की बाढ़ सी आ गई है। इन चैनलों पर प्रतिदिन देश में घटित मुख्य घटनाओं और नेताओं की बयानबाजी पर टीका टिप्पणियों को देखा और सुना जा सकता है। राजनीतिक पार्टियों के चयनित प्रवक्ता और कथित विशेषज्ञ इन सियासी बहसों में अपनी अपनी पार्टियों का पक्ष रखते है। न्यूज़ चैनलों पर इन दिनों जिस प्रकार के आरोप प्रत्यारोप और नफरती बोल सुने जा रहे है उससे लोकतंत्र की धज्जियाँ उड़ते देखा जा सकता है। बड़े बड़े और धमाकेदार शीर्षकों वाली इन बहसों को सुनकर किसी मारधाड़ वाली फिल्मों की यादें जाग्रत हो उठती है। एंकर भी इनके आगे असहाय नज़र आते है। कई बार छीना झपटी, गाली गलौज और मारपीट की नौबत आ जाती है। सच तो यह है जब से टीवी न्यूज चैनलों ने हमारी जिंदगी में दखल दिया है तब से हम एक दूसरे के दोस्त कम दुश्मन अधिक बन रहे है। समाज में भाईचारे के स्थान पर घृणा का वातावरण ज्यादा व्याप्त हो रहा है। बहुत से लोगों ने मारधाड़ वाली और डरावनी बहसों को न केवल देखना बंद कर दिया है अपितु टीवी देखने से ही तौबा कर लिया है। लोगों ने एक बार फिर इलेक्ट्रॉनिक के स्थान पर प्रिंट मीडिया की ओर लौटना शुरू कर दिया है। आज भी अखबार की साख और विश्वसनीयता अधिक प्रामाणिक समझी जा रही है। डिजिटल और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की अपेक्षा आज भी प्रिंट मीडिया पर लोगों की विश्वसनीयता बरकरार है। आज भी लोग सुबह सवेरे टीवी न्यूज़ नहीं अपितु अखबार पढ़ना पसंद करते है। प्रबुद्ध वर्ग का कहना है प्रिंट मीडिया आज भी अपनी जिम्मेदारी का बखूबी निर्वहन कर रहा है।

इस समय देश के न्यूज चैनलों और सोशल मीडिया पर नफरत और घृणा के बादल मंडरा रहे है। देश में हर तीसरे महीने कहीं न कहीं चुनावी नगाड़े बजने शुरू हो जाते है। इस साल बिहार में चुनाव होने वाले है। चुनावों के आते ही न्यूज़ चैनलों की बांछें खिल जाती है। चुनावों पर गर्मागरम बहस शुरू हो जाती है। राजनीतिक दलों के नुमाइंदे अपने अपने पक्ष में दावे प्रतिदावे शुरू करने लग जाते है। इसी के साथ ऐसे ऐसे आरोप और नफरत पैदा करने वाली दलीले दी जाने लगती है कि कई बार देखने वालों का सिर शर्म से झुक जाता है। यही नहीं देश

में दुर्भाग्य से कहीं कोई घटना दुर्घटना घट जाती है तो न्यूज़ चैनलों पर बढ़चढ़कर ऐसी ऐसी बातों की झड़ी लग जाती है जिन पर विश्वास करना नामुमकिन हो जाता है। इसीलिए लोग इलेक्ट्रॉनिक के स्थान पर प्रिंट मीडिया की विश्वसनीयता को अधिक प्रमाणिक मानते है। इसी कारण लोगों ने टीवी चैनलों पर होने वाली नफरती बहस को देखनी न केवल बंद कर दी अपितु बहुत से लोगों ने टीवी देखने से ही तौबा कर ली।

नफरत और घृणा के इस महासागर में सभी सियासी पार्टियां डुबकी लगा रही है। न्यूज चैनलों पर विभिन्न सियासी दलों के प्रतिनिधि जिस प्रकार की भाषा का प्रयोग करते है उन्हें देखकर लगता नहीं है की यह गाँधी, सुभाष, नेहरू, लोहिया और अटलजी का देश है। देश की सर्वोच्च अदालत कई बार इलेक्ट्रोनिक मीडिया पर नियामकीय नियंत्रण की कमी पर अफसोस ज़ाहिर कर चुकी है। सुप्रीम कोर्ट ने नेताओं के भाषण और टीवी चैनलों को नफरती भाषण फैलाने का जिम्मेदार ठहराया है। सुप्रीम कोर्ट ने हेट स्पीच मामले में कई बार टेलीविजन चैनलों को जमकर फटकार लगाई।

गंगा जमुनी तहजीब से निकले भारतीय घृणा के इस तूफान में बह रहे हैं। विशेषकर नरेंद्र मोदी के प्रधान मंत्री बनने के बाद घृणा और नफरत के तूफानी बादल गहराने लगे है। हमारे नेताओं के भाषणों, वक्तव्यों और ट्विटर जैसे सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर सुचिता के स्थान पर नफरत, झूठ, अपशब्द, तथ्यों में तोड़-मरोड़ और असंसदीय भाषा का प्रयोग धड़ल्ले से होता देखा जा सकता हैं। हमारे नेता अब आए दिन सामाजिक संस्कारों और मूल्यों को शर्मसार करते रहते हैं। स्वस्थ आलोचना से लोकतंत्र सशक्त, परंतु नफरत भरे बोल से कमजोर होता है, यह सर्व विदित है। आलोचना का जवाब दिया जा सकता है, मगर नफरत के आरोपों का नहीं।

आज पक्ष और विपक्ष में मतभेद और मनभेद की गहरी खाई है। यह अंधी खाई हमारी लोकतान्त्रिक परम्पराओं को नष्ट भ्रष्ट करने को आतुर है। देश में व्याप्त नफरत के इस माहौल को खत्म कर लोकतंत्र की ज्वाला को पुर्नस्थापित करने की महती जरूरत है और यह तभी संभव है जब हम खुद अनुशासित होंगे और मर्यादा की लक्ष्मण रेखा का उल्लंघन नहीं करेंगे।

नजरिया

कोमल मन पर भारी पड़ती कठोर परवरिश

अमित बैजनाथ गर्ग

मोबाइल : 78770 70861

हाल ही में पश्चिम बंगाल के पंसकुरा में 7वीं क्लास में पढ़ने वाले बच्चे ने इसलिए आत्महत्या कर ली, क्योंकि उसकी मां ने सबके सामने उसको डांट दिया था। बच्चा अपने पीछे एक सुसाइड नोट छोड़ गया है, जो झकझोर देने वाला है। अपने सुसाइड नोट में बच्चे ने लिखा था कि मां मैंने चोरी नहीं की। बच्चे के ये आखिरी शब्द दिल को झकझोर कर रख देने वाले हैं। दरअसल स्कूल में पढ़ने वाले 13 साल के कृष्णेंदु दास पर एक मिठाई की दुकान से चिप्स के तीन पैकेट चुराने का आरोप लगा था। मिठाई की ये दुकान गोसाईंबेर बाजार में एक सिविल वॉलंटियर शुभांकर दीक्षित की थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि शुभांकर की गैरमौजूदगी में बच्चे ने दुकान से चिप्स के तीन पैकेट चुरा लिए थे। दुकान मालिक ने बच्चे को दुकान से थोड़ी दूर चिप्स के पैकेट के साथ देखा, तो उसके पीछे दौड़ पड़ा। उससे चोरी के बारे में पूछताछ की गई। उसने दुकानदार को पांच रुपए के हिसाब से तीन चिप्स के पैकेट के 15 रुपए दे दिए। इसके बाद भी दुकानदार नहीं माना। वह पैसे लौटाने के बहाने बच्चे को वापस दुकान पर ले गया और उसको मारा-पीटा। इतना ही नहीं, दुकानदार ने बच्चे से सार्वजनिक रूप से माफी भी मंगवाई। बच्चे के साथ ये सब अभी हुआ ही था कि उसकी मां को जैसे ही इस बारे में पता चला, वह भी उसे फिर से उसी मिठाई की दुकान पर लेकर गई और सबके सामने डांटा। इस बात से 13 साल का लड़का इस कदर आहत हो गया कि घर लौटते ही उसने कीटनाशक पीकर आत्महत्या करने की कोशिश की। गंभीर हालत में उसे तुरंत तामलुक मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया, जहां उसकी मौत हो गई।

पुलिस का कहना है कि बच्चे के कमरे से एक सुसाइड नोट बरामद किया गया है। इसमें कृष्णेंदु ने आत्महत्या करने से पहले अपनी नोटबुक में लिखा है कि मां मैंने कुरकुरे नहीं चुराए। मुझे वो सड़क पर पड़े मिले थे। मैंने चोरी नहीं की है। पीड़ित परिवार का आरोप है कि मिठाई दुकानदार के बर्ताव की वजह से बच्चा ऐसा खौफनाक कदम उठाने को मजबूर हो गया। तब से दुकान मालिक फरार है। परिवार इस बात को भी मान रहा है कि मां के सार्वजनिक रूप से डांटे जाने का भी बच्चे के मन पर गहरा असर हुआ। मां की डांट से बच्चा बहुत दुखी था। यह डांट उसके मन में घर कर गई। वह इस तरह के व्यवहार को सहन नहीं कर सका।

असल में यह घटना उन मां-बाप के लिए किसी सबक से कम नहीं है, जो बात-बात पर सबके सामने अपने बच्चों को बुरी तरह डांट देते हैं, क्योंकि उम्र के इस पड़ाव में बच्चे बहुत ही कोमल और संवेदनशील होते हैं। वह हर बात को अपनी बेइज्जती से जोड़ लेते हैं।

कई बार वह ऐसा कदम उठा लेते हैं, जिसके बाद पछताने के अलावा कोई और रास्ता परिवार के पास भी नहीं होता, इसलिए माता-पिता को बच्चों के साथ पेश आने में बहुत ही सतर्कता बरतनी चाहिए। किसी भी बात पर उनको समझाएं, न कि सबके सामने उन्हें डांटें। अगर डांटना बहुत जरूरी है, तो अकेले में ही डांटें। सबके सामने ऐसा करने से बचें, ताकि उनको बेइज्जती महसूस न हो। चाइल्ड एक्सपर्ट का कहना है कि आज के दौर में बच्चों की परवरिश करना बिल्कुल भी आसान नहीं है। उन्हें अच्छे या बुरे की अहमियत समझाना बहुत जरूरी है, लेकिन प्यार और अपनेपन के साथ। हर बात पर उन्हें डांटना या पीटना ठीक नहीं है। कुछ एक्सपर्ट कहते हैं कि माता-पिता बच्चों को नहीं डांटें तो वे मनमानी करते हैं और अगर डांटें तो बच्चे दिल पर ले लेते हैं। ऐसे में बड़ा सवाल ये है कि मां-बाप बच्चों को कैसे समझाएं, क्योंकि बच्चों का मन बहुत ही कोमल होता है। छोटी-छोटी बातों का उनके मन पर गहरा असर होता है। अगर सबके सामने उनको डांट दिया जाए, तो वे इसे अपनी बेइज्जती समझ लेते हैं। आहत होकर कई बार वह गलत कदम उठा लेते हैं। असल में परिवार को अब इस बात को समझना होगा कि बदलते माहौल में बच्चों की परवरिश यदि उसके अनुसार न हो, तो उसके परिणाम गंभीर होते हैं।

आमतौर पर कुछ बच्चे काफी सहज और सरल होते हैं, तो कुछ बेहद ही संवेदनशील। ऐसे में उनके स्वभाव के अनुसार ही उनकी देखभाल करने की जरूरत होती है। बच्चों की भावनाओं का ख्याल रखना बेहद जरूरी होता है। उनके कोमल मन को समझना भी बहुत जरूरी है। हर बात वह गलत हों, ऐसा जरूरी नहीं है। कई बार बच्चे सच बोल रहे होते हैं, तो भी उन्हें गलत मान लिया जाता है। परिवार को सही और गलत के निर्णय पर पहुंचने से पहले कई बार सोचना होगा। हर बात पर बाल मन का इस तरह तिरस्कार करना सही नहीं कहा जा सकता। हर बच्चे को कृष्णेंदु बनने से बचाना होगा।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

मुलाकात

केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री राम मोहन नायडू किंजरापु ने मंगलवार को नई दिल्ली में फेडएक्स के अध्यक्ष–भारतीय उपमहाद्वीप कामी विश्वनाथन से मुलाकात की।

गोयल ने सिंगापुर के साथ भारतीय पोत परिवहन क्षेत्र में अवसरों पर चर्चा की

पेरिस/भाषा

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सिंगापुर के उप प्रधानमंत्री गान किम योंग के साथ मंगलवार को बैठक की और आर्थिक संबंधों को बढ़ावा देने एवं भारतीय पोत परिवहन क्षेत्र के व्यापक अवसरों पर चर्चा की। गोयल व्यापार एवं निवेश को बढ़ावा देने के लिए फ्रांस के नेताओं और कारोबारियों से मिलने के लिए आधिकारिक यात्रा पर यहां पहुंचे हैं। इसका मकसद दोनों देशों के बीच संबंध गहरे करना है। मंत्री ने पिछले तीन दिन में बड़ी कंपनियों के मुख्य कार्यपालक अधिकारियों (सीईओ) और मंत्रियों के साथ कई बैठकें की हैं। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के कार्यकारी निदेशक फतिह बिरोल, नाइजीरिया के व्यापार मंत्री जुमोके ओडुवोले, फ्रांस के अर्थव्यवस्था एवं वित्त मंत्री एरिक लोम्बार्ड, मोटर वाहन आपूर्तिकर्ता कंपनी वेलियो ग्रुप के सीईओ क्रिस्टोफ पेरिलाट तथा लोरियल ग्रुप के सीईओ निकोलस हिरोनिमस के साथ मुलाकात की और भारत में निवेश के विशाल अवसरों का उल्लेख किया। गोयल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा कि उन्होंने सिंगापुर के उप प्रधानमंत्री तथा व्यापार एवं उद्योग मंत्री गान किम योंग के साथ बैठक की। उन्होंने कहा, '' हमारे द्विपक्षीय व्यापार एवं निवेश संबंधों को बढ़ाने पर चर्चा की गई। साथ ही, विभिन्न क्षेत्रों खासकर पोत परिवहन क्षेत्र में भारत द्वारा प्रदान किए जाने वाले व्यापक अवसरों का उल्लेख किया।''

पोत परिवहन क्षेत्र पर चर्चा कई मायने में महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत इस क्षेत्र में विकास को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और इससे व्यापार को बढ़ावा मिलेगा एवं व्यवसायों के लिए परिवहन लागत में कमी आएगी। लाल सागर संकट के दौरान भारतीय निर्यातकों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा और विदेशी पोत परिवहन मार्गों द्वारा लगाए गए उच्च शुल्क के कारण माल ढुलाई दरों में तेजी से वृद्धि हुई। केंद्रीय बजट में भारत के पोत परिवहन क्षेत्र की विशाल क्षमता को साकार करने के लिए जोरदार प्रोत्साहन दिया गया है। बजट में शेयर या ऋण प्रतिभूतियों के माध्यम से वित्तीय सहायता प्रदान कर भारत के समुद्री क्षेत्र का समर्थन करने के लिए समुद्री विकास कोष (एमडीएफ) की स्थापना का प्रस्ताव भी किया गया है।

भारत-अमेरिका संबंध मेरे लिए 'बहुत व्यक्तिगत' हैं: उषा वेंस

वाशिंगटन/भाषा

अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेडी वेंस की पत्नी उषा वेंस ने भारत–अमेरिका संबंध को अपने लिए ''बेहद व्यक्तिगत'' बताया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय संबंधों के लिए यह ''बहुत अच्छा अवसर'' है जो कई बार उतार–चढ़ाव से गुजरे हैं।वेंस ने यहां अमेरिका–भारत रणनीतिक भागीदारी मंच (यूएसआईएसपीएफ) नेतृत्व शिखर सम्मेलन के आठवें संस्करण में कहा, ''यह एक बहुत ही व्यक्तिगत संबंध है, क्योंकि मेरे परिवार के सदस्य भारत में रहते हैं और परिवार के कई सदस्य यहां अमेरिका में भी रहते हैं। मैं बचपन से भारत आती जाती रही हूं तथा वहां अपने परिवार के सदस्यों से मिलती रही हूं और वे मेरे पास आते रहे हैं।'' उन्होंने कहा, ''यह हमेशा से एक ऐसा संबंध रहा है जिसे मैंने व्यक्तिगत रूप से बहुत महत्वपूर्ण माना है।''

कार्यक्रम में भारत और अमेरिका के प्रमुख सरकारी, व्यापारिक और समुदाय से जुड़े नेता उपस्थित थे। यूएसआईएसपीएफ के अध्यक्ष और जेसी2 वेंचर्स के संस्थापक एवं सीईओ (मुख्य कार्यकारी अधिकारी) जॉन चैंबर्स द्वारा आयोजित अनौपचारिक बातचीत के दौरान दोनों देशों के बीच संबंधों के बारे में दृष्टिकोण को लेकर पूछे गए एक सवाल के जवाब में वेंस ने कहा, ''मैं इसके बारे में व्यापक रूप से सोचती हूं। मुझे लगता है कि यह बहुत अच्छे अवसरों का समय है। मुझे लगता है कि अगर मेरे पति यहां होते, तो वह भी यही बात कहते।'' उन्होंने कहा, ''जाहिर है अमेरिका और भारत के संबंधों में कई बार उतार–चढ़ाव आए हैं... कई बार ऐसा होता है कि किसी देश की जरूरतें और उसके लक्ष्य दूसरे से भिन्न होते हैं।''

उन्होंने कहा, ''लेकिन वर्तमान में मुझे लगता है कि अगले चार वर्षों में और भविष्य में कई बड़े अवसर प्राप्त होने वाले हैं।

भारत ने कुछ ऐसी चीजें कीं जिसने अमेरिका को असहज किया : लुटनिक

वाशिंगटन/भाषा

अमेरिकी वाणिज्य मंत्री हॉवर्ड लुटनिक ने भारत के साथ 'असहजता' के लिए रूस से सैन्य उपकरण खरीदने और डॉलर पर निर्भरता कम करने के लिए ब्रिक्स के साथ खड़े होने जैसी कुछ घटनाओं का जिक्र करने के साथ ही कहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत की बहुत प्रशंसा करते हैं और दोनों देशों के 'एक साथ बहुत अच्छे संबंध' बनने जा रहे हैं।

लुटनिक ने सोमवार को यहां 'अमेरिका–भारत सामरिक साझेदारी मंच' के आठवें नेतृत्व शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए दोनों देशों के संबंधों पर यह टिप्पणी की। लुटनिक ने कहा, ''भारतीय अर्थव्यवस्था असाधारण है, आपकी मानव पूंजी क्षमता अद्भुत है, आपकी वृद्धि दर भी अद्भुत है। लेकिन आप जानते हैं, कुछ ऐसे काम थे जो भारत सरकार ने किए, जिससे आम तौर पर अमेरिका असहज हुआ।'' अमेरिकी मंत्री ने इसे उदाहरण के साथ स्पष्ट करते हुए कहा, ''आप आम तौर पर अपने सैन्य उपकरण रूस से खरीदते हैं। गर आप रूस से अपने हथियार खरीदने जाते हैं तो यह अमेरिका की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का एक तरीका है।

दुर्गा पूजा के अवसर पर रिलीज होगी फिल्म देवी चौधुरानी

मुंबई/एजेन्सी

राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता निर्देशक सुभ्रजीत मित्रा निर्देशित फिल्म देवी चौधुरानी, 26 सितंबर को दुर्गा पूजा के अवसर पर रिलीज होगी। प्रसेनजीत चटर्जी और श्राबंती चटर्जी अभिनीत और पंडित बिक्रम घोष द्वारा संगीतबद्ध फिल्म देवी चौधुरानी ,भारतीय सिनेमा में पहला आधिकारिक इंडो–यूके को–प्रोडक्शन है, जिसे भारत और यूनाइटेड किंगडम की सरकार द्वारा संयुक्त रूप से मान्यता दी गई है। एडिटेड मोशन पिक्चर्स (भारत/यूएसए) की अपर्णा और अनिरुद्ध दासगुप्ता तथा लोक आर्टर्स कलेक्टिव (भारत/यूके) के सौम्यजीत मजूमदार द्वारा निर्मित यह फिल्म बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय के प्रतिष्ठित उपन्यास पर आधारित है, जिसे स्थानीय लोक कथाओं और औपनिवेशिक युग के ईस्ट इंडिया कंपनी के अभिलेखों के माध्यम से फिर से तैयार किया गया है। संन्यासी–फकीर विद्रोह की पृष्ठभूमि पर आधारित यह फिल्म भारत की पहली महिला स्वतंत्रता सेनानी देवी चौधुरानी की अनकही कहानी को जीवंत करती है। प्रोसेनजीत चटर्जी ने कहा, देवी चौधुरानी सिर्फ एक फिल्म नहीं है, यह हमारे भूले– बिसरे नायकों को फिर से याद करने का प्रयास है। भवानी पाठक की भूमिका निभाना सिर्फ एक किरदार को चित्रित करने के बारे में नहीं था, बल्कि उस विद्रोह की भावना को मूर्त रूप देना था जो आज भी बंगाल के दिल में जलती है। यह एक ऐसी कहानी है, जिसे दुनिया को देखने की जरूरत है।

'मालिक' का टीजर जारी

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता राजकुमार राव अपकमिंग फिल्म 'मालिक' में गैंगस्टर की भूमिका में नजर आएंगे। निर्माताओं ने मंगलवार को फिल्म का धांसू टीजर जारी कर दिया है। एक्शन से भरपूर टीजर में राजकुमार का गजब का अंदाज देखने को मिला। राजकुमार ने इंस्टाग्राम पर 'मालिक' के टीजर को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, पैदा नहीं हुए तो क्या, बन तो सकते हैं 'मालिक'। टीजर आउट हो चुका है, 'मालिक' को मिलने 11 जुलाई को सिनेमाघरों में आ जाना। दमदार डायलॉग्स के साथ राजकुमार का एकदम अलग अंदाज देखने को मिला। टीजर में राव कहते हैं, दुनिया में दो तरह के लोग रहते हैं, एक तो मेहनत, मजदूरी करके, पसीना बहाकर रोटी कमाते हैं और दूसरा खून बहाकर अपना हक पाते हैं। हम दूसरे वालों में से हैं, जो पैदा तो मालिक बनकर नहीं हुए मगर, बन तो सकते हैं। टीजर में राजकुमार राव हाथ में बंदूक लिए तड़ातड़ गोलियां चलाते नजर आए।

मेकर्स ने हाल ही में फिल्म का पोस्टर जारी किया था, जिसमें राजकुमार गाड़ी के ऊपर खड़े हुए हैं और हाथ में बंदूक भी पकड़ी हुई है। इस पोस्टर के ऊपर टैगलाइन है– 'मालिक पैदा नहीं हुए तो क्या, बन तो सकते हैं।'

इस पोस्टर के साथ मेकर्स ने नई रिलीज डेट का भी एलान किया था। मेकर्स ने कैप्शन में लिखा था, पूरे प्रदेश और देश पर राज करने आ रहे हैं मालिक! फिल्म 11 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। राजकुमार राव का रौब, रुतबा और राज 'मालिक' के जरिए जुलाई में देखने को मिलेगा। फिल्म पहले 20 जून को रिलीज होने वाली थी। राजकुमार के करियर पर नजर डालें तो उन्होंने अब तक 30 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है। साथ ही राष्ट्रीय पुरस्कार समेत कई अवॉर्ड्स भी अपने नाम किए हैं। उन्होंने 'लव सेक्स और धोखा' से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद उन्हें 'गैंग्स ऑफ वासेपुर'– पार्ट 2 और 'तलाश द आंसर लाइज विदिन' जैसी फिल्मों में छोटे–छोटे रोल निभाए। लेकिन किस्मत उनकी 2013 में पलटी, जब वह 'काई पो चे' और 'शाहिद' जैसी फिल्मों में नजर आए। वह 'क्वीन', 'अलीगढ़', 'बरेली की बर्फी', 'ट्रैप्ड', 'न्यूटन', 'द व्हाइट टाइगर', 'लूडो', 'छलांग', 'भीड़', 'मोनिका, ओ माई डार्लिंग', 'बधाई दो' और 'स्त्री–1 और 2' जैसी हिट फिल्में कर चुके हैं।

'कुबेरा' के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार जीतेंगे धनुष : शेखर कम्मुला

मुंबई/एजेन्सी

फिल्म निर्माता शेखर कम्मुला का कहना है कि सुपरस्टार धनुष फिल्म 'कुबेरा के लिये राष्ट्रीय पुरस्कार जीतेंगे। शेखर कम्मुला ने चेन्नई में अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म कुबेरा के ऑडियो लॉन्च कार्यक्रम में इस फिल्म के मुख्य अभिनेता धनुष की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि फिल्म कुबेरा में धनुष का असाधारण अभिनय एक और राष्ट्रीय पुरस्कार के योग्य है। शेखर कम्मुला ने कहा,मुझे लगता है कि धनुष एक और राष्ट्रीय पुरस्कार जीतेंगे; उनके अलावा कोई भी यह भूमिका नहीं कर सकता था।

शेखर कम्मुला और धनुष के बीच यह पहला सहयोग है, और उनकी संयुक्त रचनात्मक शक्ति एक यादगार सिनेमाई अनुभव का वादा करती है। देवी श्री प्रसाद द्वारा रचित कुबे का साउंडट्रैक पहले से ही अपनी भावपूर्ण धुनों और उच्च ऊर्जा वाले नंबरों से दिल जीतना शुरू कर चुका है। श्री वेंकटेश्वर सिनेमा एलएलपी और एमिगोस क्रिएशंस प्राइवेट लिमिटेड के बैनर तले सुनील नारंग और पुष्कर राम मोहन राव द्वारा निर्मित, कुबेरा 20 जून को दुनिया भर में पाँच भाषाओं – तेलुगू, तमिल, हिंदी, कन्नड़ और मलयालम में रिलीज़ होगी।

वन्यजीव फोटोग्राफी प्रकृति और खुद से जुड़ने का तरीका : रणदीप हुड्डा

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता–फिल्ममेकर और वन्यजीव संरक्षण के समर्थक रणदीप हुड्डा का कहना है कि वन्यजीव फोटोग्राफी उनके मेरे लिए सिर्फ एक शौक नहीं है,यह प्रकृति और खुद से जुड़ने का एक तरीका है। रणदीप हुड्डा, जो फिल्मों के साथ–साथ वन्यजीवों के भी बेहद शौकीन हैं, हाल ही में मध्यप्रदेश के खूबसूरत कान्हा नेशनल पार्क की यात्रा पर पहुंचे हैं। वे जानवरों के प्रति अपने गहरे प्रेम और पर्यावरण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिए जाने जाते हैं। इस बार भी वे अपने कैमरे में जानवरों की प्राकृतिक झलक को कैद करने पहुंचे हैं। रणदीप को वन्यजीव फोटोग्राफी का भी बहुत शौक है, और इस यात्रा के दौरान वे अपने इसी शौक को ताज़ा कर रहे हैं। वन्यजीव संरक्षण से जुड़ी कई पहलों में भाग लेने वाले रणदीप ने वन्यजीव फोटोग्राफी में भी खास दिलचस्पी दिखाई है। इस निजी यात्रा पर उनके साथ उनकी पत्नी, अभिनेत्री और एंटरप्रेन्योर लिन लैशराम भी हैं। दोनों ने मिलकर भारत के सबसे खूबसूरत नेशनल पार्कों में से एक कान्हा नेशनल पार्क के हरियाली से भरपूर इलाके का मज़ा लिया। यह पार्क बाघ, तेंदुए, बारहसिंगा, काले हिरण और कई दुर्लभ व संकटग्रस्त प्रजातियों का घर है। रणदीप हुड्डा ने अपनी यात्रा के बारे में कहा, जंगल में समय बिताना मेरे लिए एक तरह से रीसेट बटन दबाने जैसा होता है। वन्यजीव फोटोग्राफी मेरे लिए सिर्फ एक शौक नहीं है। यह प्रकृति और खुद से जुड़ने का एक तरीका है। जानवरों को उनके प्राकृतिक आवास में देखना धैर्य, विनम्रता और नज़रिया सिखाता है। यह मुझे ऐसे ज़मीन से जोड़ देता है जैसे कुछ और नहीं कर सकता। रणदीप हमेशा से ही पशु कल्याण और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े मामलों को समर्थन देते आए हैं, और वन्यजीव संरक्षण के मुद्दों पर उनकी आवाज़ अब और भी मज़बूत होती जा रही है।

शर्वरी बनीं 'यंग फिट इंडिया आइकन'

नयी दिल्ली/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेत्री शर्वरी को 'यंग फिट इंडिया आइकन' के रूप में नियुक्त किया गया है। शर्वरी, जिन्होंने 2024 में मुंजा , महाराज और वेदा जैसी फिल्मों से दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया है, अब राष्ट्रीय फिटनेस अभियान का भी चेहरा बन चुकी हैं। फिट इंडिया मूवमेंट के अंतर्गत आयोजित 'संडेज़ ऑन साइकल' पहल में भाग लेने के बाद उन्हें 'यंग फिट इंडिया आइकन' के रूप में नियुक्त किया गया है। यह नियुक्ति भारत सरकार के युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा आयोजित कार्यक्रम के 25 वें संस्करण में की गई, जिसमें केंद्रीय मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया की मौजूदगी रही। यह अभियान नागरिकों को फिटनेस और पर्यावरण संरक्षण के लिए साइकिलिंग को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करता है। शर्वरी ने इस मौके पर अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा,युवा मामले और खेल मंत्रालय द्वारा 'यंग फिट इंडिया आइकन' बनाए जाने पर मुझे गर्व है। 'संडेज़ ऑन साइकल' जैसे पहल का हिस्सा बनना बेहद उत्साहजनक है, जो न केवल फिटनेस को बढ़ावा देती है, बल्कि पर्यावरण की रक्षा का भी संदेश देती है। यह हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की 'फिट इंडिया मूवमेंट' का सशक्त विस्तार है और मैं इसका हिस्सा बनकर गर्व महसूस कर रही हूं।

फिल्म 'मेट्रो इन दिनों' में अहम भूमिका में नजर आयेंगे कुश जोतवानी

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता कुश जोतवानी ,फिल्मकार अनुराग कश्यप की फिल्म मेट्रो... इन दिनों में अहम भूमिका में नजर आयेंगे। कुश जोतवानी जो अपनी हाल ही में रिलीज हुई नॉक नॉक... कौन है? वेब सीरीज से सफलता की बुलंदियों को छू रहे हैं, जल्द ही अनुराग बसु की ; मेट्रो... इन दिनों; में नजर आने वाले हैं। मेट्रो शहरों में समकालीन रिश्तों की खोज करने वाली यह फिल्म 04 जुलाई, 2025 को रिलीज होने वाली है। कुश जोतवानी ने बताया ,जब मैं मुंबई में दिल दोस्ती डिलेमा के पहले शेड्यूल की शूटिंग कर रहा था, तो मुझे अनुराग बसु के प्रोडक्शन हाउस से एक ज़ूम कॉल के बारे में सूचना मिली, जिसमें कहा गया था कि वे फिल्म के बारे में मुझसे मिलना चाहते हैं। मीटिंग में बसु सर ने मुझे व्यक्तिगत रूप से मिलने के लिए कहा। सर ने मुझे कहानी का प्लॉट समझाया और मुझे इस भूमिका के लिए ऑडिशन देने को कहा। जब मैं बेंगलुरु में दिल दोस्ती डिलेमा के दूसरे शेड्यूल की शूटिंग कर रहा था, तो मुझे प्रोडक्शन हाउस से ऑडिशन की स्क्रिप्ट मिली। मैंने अपने होटल के कमरे से ऑडिशन रिकॉर्ड किया और तुरंत शेयर किया। डीडीडी के दूसरे शेड्यूल के आखिरी दिन, बेंगलुरु से उड़ान भरते समय मुझे एक कॉल आया, जिसमें बताया गया कि मुझे रोल मिल गयाहै। शूटिंग अगले चार दिनों में शुरू होने वाली थी।

कुश जोतवानी का दिल दोस्ती डिलेमा में आकर्षक उपस्थिति से लेकर अनुराग बसु जैसे दूरदर्शी निर्देशक के तहत एक मल्टीस्टारर फिल्म में महत्वपूर्ण भूमिका तक का सफर उनके करियर में एक रोमांचक चरण को दर्शाता है। प्रशंसक ; मेट्रो...इन दिनों; में उनके प्रदर्शन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, ताकि वे देख सकें कि कैसे वे बसु की खास शैली में आधुनिक प्रेम की जटिलताओं को पर्दे पर लाते हैं।

माधव मिश्रा का किरदार दिल के बहुत करीबः पंकज त्रिपाठी

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड के जानेमाने चरित्र अभिनेता पंकज त्रिपाठी का कहना है कि क्रिमिनल जस्टिस फ्रेंचाइजी में उनका निभाया माधव मिश्रा का किरदार उनके दिल के बेहद करीब है। पंकज त्रिपाठी एक बार फिर से जियोहॉटस्टार की सीरीज क्रिमिनल जस्टिस: अ फैमिली मैटर में प्यारे वकील माधव मिश्रा की भूमिका में लौटे हैं। यह सीजन, जिसे रोहन सिप्पी ने निर्देशित किया है और अप्लॉज़ एंटरटेनमेंट द्वारा बीबीसी स्टूडियोज इंडिया के सहयोग से निर्मित किया गया है, 29 मई से जियोहॉटस्टार पर स्ट्रीम हो रहा है। इस सीजन में मोहम्मद ज़ीशान अयूब, सुरवीन चावला, आशा नेगी, खुशबू अत्रे, बर्खा सिंह, आत्म प्रकाश मिश्रा के साथ–साथ मीता वशिष्ठ और श्वेता बासु प्रसाद जैसी प्रतिभाशाली कलाकार मुख्य भूमिकाओं में हैं।

पंकज त्रिपाठी के लिए अभिनय केवल एक प्रदर्शन नहीं, बल्कि एक आत्मिक जुड़ाव रहा है। वर्षों में उन्होंने कई किरदारों को गहराई और सच्चाई से निभाया है, लेकिन क्रिमिनल जस्टिस का माधव मिश्रा ऐसा किरदार है जो उनके दिल के बेहद करीब रहा है। पंकज त्रिपाठी ने कहा,माधव मिश्रा मेरे दिल के बहुत करीब है क्योंकि कई मायनों में उसकी यात्रा मेरी अपनी यात्रा से मेल खाती है। हम दोनों बिहार की सादगी से आए, मुंबई बड़े सपनों के साथ पहुंचे, छोटे रोल्स या केसों से शुरुआत की और मेहनत व लगन से अपनी जगह बनाई। यही समानता माधव को निभाना मेरे लिए स्वाभाविक बना देती है, जैसे हर बार उसके किरदार में उतरना मेरी ही कहानी का हिस्सा बन जाता है।

पंकज त्रिपाठी ने कहा, क्रिमिनल जस्टिस एक दिलचस्प लीगल ड्रामा है जो कोर्टरूम की जटिलताओं और कानून के मानवीय पक्ष को गहराई से दिखाता है। आमतौर पर कानूनी कहानियों में हास्य की गुंजाइश कम होती है, लेकिन माधव मिश्रा की शख्सियत में जो सहज, परिस्थितिजन्य हास्य है, वह दर्शकों को जोड़े रखता है, भारी पलों को हल्का करता है और कहानी को भावनात्मक रूप से और भी गहरा व दिल से जोड़ने वाला बना देता है। क्रिमिनल जस्टिस: अ फैमिली मैटर , जियोहॉटस्टार पर हर गुरुवार को नए एपिसोड के साथ स्ट्रीम होगा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
चेन्नई | बुधवार | 04-06-2025
/dakshinbharat /dakshinbharat
DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

प्राचीन सती प्रथा से भी अनंत गुना ज्यादा खतरनाक है विधवा प्रथा। इस प्रथा में जिंदगी भर महिला का तिरस्कार और उसकी उपेक्षा करके उसकी आत्मा को छलनी छलनी कर देते हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी धर्म ग्रंथ में विधवा शब्द का उल्लेख नहीं है, ऐसे में उस विधवा महिला को नारकी जीवन जीने को मजबूर करना कहां का न्याय है? नारी को दूसरे नंबर का दर्जा देना, हीनभावना से देखना अपशगुन मानना, माता दुर्गा-सरस्वती-लक्ष्मी का अपमान करने के समान है। शील व्रत पालने वाली महिला किसी भी देवी से भी महान होती है।

मानवता के सच्चे श्रृंगार होते हैं संत : राष्ट्रसंत कमलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। शहर के दक्षिण पावापुरी गौशाला में पहुंचे राष्ट्रसंत कमलमुनिजी कमलेश ने कहा कि संत आध्यात्मिक के प्राण, संस्कृति के सजग प्रहरी और ज्ञान के चलते फिरते तीर्थ हैं। संत की कोई जाति और पंथ नहीं होता।

संत को किन्हीं सीमाओं में कैद नहीं किया जा सकता है। संत तो सूर्य के समान है। उन्होंने कहा कि विलासिता और साधु कभी भी साथ नहीं रह सकते। जिनकी निगाहों में सोना और माटी समान होता है वही सच्चे संत और फ़क़ीर होते हैं। मुनि कमलेशजी ने कहा कि संत अभिशाप के बदले आशीर्वाद और बुराई करने वाले के साथ भलाई का व्यवहार करते हैं। उनका कोई मित्र और शत्रु नहीं होता है। सबके प्रति समान भाग होते हैं।

संतश्री ने कहा कि संत तो अपमान को भी अभिनंदन के रूप में प्राप्त करके आनंदित होते हैं। मानवता के सच्चे श्रृंगार होते हैं संत। विश्व की संपूर्ण संपत्ति देकर भी एक संत का निर्माण नहीं किया जा सकता। जैन संत ने कहा कि संत जाति संप्रदाय से ऊपर उठकर संपूर्ण मानवता को एकता के सूत्र में पिरोने का काम करते हैं।

इस अवसर पर उपस्थित महासती दिव्यसाधनाजी ने कहा कि प्रेम करुणा सद्भाव का जिसको दिलों में निवास हो वह संत विश्व पूजनीय बनता है। अखिल भारतीय जैन दिवाकर विचार मंच नई दिल्ली के युवा शाखा के प्रसन्न बोहरा, अविनाश जैन, अभिषेक जैन, अंकुश जैन, मयंक जैन ने राष्ट्रसंत का अभिनंदन किया। संतश्री का बुधवार का सुबह का प्रवचन श्रीपेरंबदूर में होगा। यह जानकारी साहुकारपेट संघ के अध्यक्ष प्रकाश खिंवेसरा ने दी।

मुलाकात

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु में मंगलवार को कनकपुरा रोड स्थित आर्ट ऑफ लिविंग आश्रम में तमिलनाडु भाजपा के पूर्व अध्यक्ष अन्नामलाई ने गुरुदेव श्री श्री रविशंकरजी से मिले और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। अन्नामलाई ने कहा कि शांत उपस्थिति, असीम करुणा, कालातीत ज्ञान और आध्यात्मिक रूप से उत्थान करने वाले उपदेश हमारे लिए, मानवता के लिए महत्वपूर्ण हैं।

बैडमिंटन टूर्नामेंट के साथ टीकेपी युवा संगठन की बैठक हुई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां रविवार को तमिलनाडु केरल पांडिचेरी (टीकेपी) प्रादेशिक माहेश्वरी युवा संगठन के अंतर्गत सेलम जिले में बैडमिंटन टूर्नामेंट रखा गया। उसमें एर्नाकुलम, चेन्नई, कोयंबटूर, इरोड, सेलम सहित 5 जिलों ने भाग लिया। सुबह से शाम तक चले इस टूर्नामेंट में वेदांश कोठारी चेन्नई एवं पीयूष चांडक सेलम, मेंस सिंगल्स कैटेगिरी में विजयी रहे। वहीं मेंस डब्ल्स में जयकिशन - तोषित मलानी चेन्नई एवं केशव मोहता - शांतिप्रकाश लड्डा इरोड से विजयी रही। मेंस 40+ वर्ग में अमित गोयदानी - कपिल पंसारी चेन्नई एवं राधामोहन लाहोटी - हरीश माहेश्वरी इरोड विजयी रहे। मनोरंजना कोठारी - वंदना लड्डा इरोड एवं अमृता माहेश्वरी - दिव्या धुत इरोड (विमेंस ड्बल्स) कैटिगरी में जीते है। उसके बाद में युवा संगठन प्रादेशिक संगठन की बैठक तेरापंथी जैन भवन मे संपन्न हुई मीटिंग में सर्वप्रथम सेलम युवा अध्यक्ष सुनील केला ने सबका स्वागत किया प्रादेशिक युवा संगठन अध्यक्ष पंकज चांडक ने सभी सदस्यों का आभार जताया । मंत्री राम रतन ने पिछली मीटिंग की रिपोर्ट प्रस्तुत की। कोषाध्यक्ष नीरज सुदा ने आय-व्यय का लेखा जोखा पटल पर रखा। अखिल भारतवर्ष युवा संगठन के दक्षिणांचल संयुक्त मंत्री विवेक राठी ने कहा कि ऐसे ही हर मीटिंग अलग-अलग जिले में रखें। जिससे हर जिला को जोड़ने की प्रयास रहेगा। अखिल भारतवर्षीय माहेश्वरी युवा संगठन कार्य समिति सदस्य अमित पोरवाल ने हैदराबाद में होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम पर चर्चा की वह कहां की 29 जून को चेन्नई में टीकेपी प्रादेशिक स्तर का फाइनल होगा। अंत में सचिव रामरतन चांडक ने सबका धन्यवाद ज्ञापन किया।

बैठक में दक्षिणांचल संयुक्त मंत्री विवेक राठी, सेलम महेश्वरी सभा सचिव गोविंद चांडक, प्रादेशिक युवा संगठन अध्यक्ष पंकज चांडक, प्रादेशिक युवा संगठन सचिव रामरतन चांडक, कार्य समिति सदस्य अमित पोरवाल पांडिचेरी, सेलम महेश्वरी युवा मंडल अध्यक्ष सुनील केला व सचिव मुकेश गांधी सहित प्रादेशिक पदाधिकारी समिति सदस्य सेलम युवा मंडल के पदाधिकारी उपस्थित थे।

डिजिटल रूप में भी पढ़ें दक्षिण भारत हिन्दी दैनिक www.dakshinbharat.com

बसवनगुड़ी जिनकुशलसूरी दादावाड़ी में चातुर्मास प्रवेश 4 जुलाई को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जिनकुशलसूरी जैन दादावाड़ी ट्रस्ट बसवनगुड़ी के तत्वावधान में चातुर्मास करने के लिए आईं साध्वीश्री सूर्यप्रभाश्रीजी व पूर्णप्रभाश्रीजी की शिष्या साध्वीश्री हर्षपूर्णाश्रीजी विहार कर राजाजीनगर स्थित खिंवेसरा भवन पहुंचीं।ज्ञातव्य है कि साध्वीश्री का चातुर्मास-प्रवेश 4 जुलाई को बसवनगुड़ी के जिनकुशलसूरी जैन आराधना भवन में होगा।

बेंगलूरु में पांच जुलाई को होगी नीरज चोपड़ा क्लासिक प्रतियोगिता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। भारत और पाकिस्तान के बीच सैन्य संघर्ष के कारण पिछले महीने स्थगित की गई नीरज चोपड़ा क्लासिक अंतरराष्ट्रीय भाला फेंक प्रतियोगिता अब पांच जुलाई को यहां आयोजित की जाएगी। आयोजकों ने मंगलवार को यह घोषणा की। भारत में पहली बार किसी अंतरराष्ट्रीय भाला फेंक प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। पहले यह प्रतियोगिता 24 मई को आयोजित की जानी थी। इस प्रतियोगिता का आयोजन ओलंपिक में दो पदक जीतने वाले चोपड़ा द्वारा जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के सहयोग से किया जा रहा है और इसे भारतीय एथलेटिक्स महासंघ (एएफआई) से मंजूरी मिली हुई है।

श्री कंटीरवा स्टेडियम में आयोजित की जाने वाली इस प्रतियोगिता में 12 खिलाड़ी भाग लेंगे। इनमें दुनिया के सात सर्वश्रेष्ठ भाला फेंक खिलाड़ी और चोपड़ा सहित पांच भारतीय खिलाड़ी शामिल हैं। चोपड़ा के अलावा इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले अन्य भारतीय खिलाड़ी एशियाई चैंपियनशिप के रजत पदक विजेता सचिन यादव, किशोर जेना, रोहित यादव और साहिल सिलवाल हैं। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विदेशी खिलाड़ियों में दो बार के विश्व चैंपियन ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स (व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 93.07 मीटर), जर्मनी के 2016 ओलंपिक स्वर्ण विजेता थॉमस रोहलर (93.90 मीटर), कीनिया के 2015 के विश्व चैंपियन जूलियस येगो (92.72 मीटर), अमेरिका के कर्टिस थॉम्पसन (87.76 मीटर), जापान के एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता जेनकी डीन (84.28 मीटर), श्रीलंका के रुमेश पथिरेज (85.45 मीटर) और ब्राजील के लुईज मौरिसियो दा सिल्वा (86.34 मीटर) शामिल हैं। जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी करण यादव ने कहा, नीरज चोपड़ा क्लासिक को फिर से आयोजित करने के लिए बहुत बड़े सामूहिक प्रयास की जरूरत थी और हमें पांच जुलाई को इसके आयोजन की पुष्टि करते हुए खुशी हो रही है। विश्व एथलेटिक्स से श्रेणी ए का दर्जा प्राप्त इस प्रतियोगिता का आयोजन पहले पंचकुला में होना था लेकिन सीधे प्रसारण के लिए पर्याप्त प्रकाश व्यवस्था नहीं होने के कारण इसकी मेजबानी बेंगलूरु को सौंपी गई।

आयोजकों के अनुसार इस प्रतियोगिता के लिए टिकट की कीमत 199 रुपये से लेकर 9,999 रुपये तक होगी। इसके अलावा 15 व्यक्तियों के लिए पांच कॉर्पोरेट बॉक्स 44,999 रुपये में उपलब्ध हैं। थ्रोअर रनवे के पास एक विशेष स्टैंड की कीमत 9,999 रुपये है, जबकि रनवे के ठीक पीछे स्थित नॉर्थ अपर स्टैंड में एक और विशेष स्टैंड 2,999 रुपये में उपलब्ध है।

कर्नाटक राज्य वन और वन्यजीव राजदूत अनिल कुंबले कर्नाटक सरकार के वन, पारिस्थितिकी और पर्यावरण मंत्री ईश्वर खंड्रे के साथ बेंगलूरु में मीडिया से बात करते हुए।

मंत्री ने बढ़ी हुई 'जिम्मेदारी' का हवाला देते हुए मानद डॉक्टरेट की उपाधि लेने से इनकार किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक सरकार में लोक निर्माण मंत्री सतीश जारकीहोली ने मैसूर स्थित कर्नाटक राज्य मुक्त विश्वविद्यालय (केएसओयू) से मार्च में उन्हें दी गई मानद डॉक्टरेट की उपाधि वापस लेने को कहा है। जारकीहोली ने मंगलवार को मीडियाकर्मियों के बीच प्रसारित केएसओयू के कुलपति को लिखे पत्र में कहा कि मानद डॉक्टरेट की उपाधि से समाज में उनकी 'जिम्मेदारी बढ़ेगी' और उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए उन्हें समय की आवश्यकता होगी।

जारकीहोली ने कहा, मुझे मानद डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान करके आपने समाज में मेरी जिम्मेदारी बढ़ा दी है। मैंने समाज सेवा में जो कार्यक्रम शुरू किए हैं, उन्हें सफल बनाने के लिए मैंने कई योजनाएं बनाई हैं। लेकिन उन्हें लागू करने की मेरी बड़ी जिम्मेदारी है। इसके लिए अधिक समय की आवश्यकता होगी। केएसओयू ने 27 मार्च को जारकीहोली को डॉक्टरेट डी लिट की मानद उपाधि प्रदान की थी।

कर्नाटक संस्कृतिका संगतनगला राज्य महा ओक्कुटा के सदस्य मंगलवार को बेंगलूरु के फ्रीडम पार्क में विभिन्न सांस्कृतिक और नीति-संबंधी मांगों को पूरा करने की मांग को लेकर धरना देते हुए।

जयंती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

रानी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती के मौके पर कोयम्बटूर के वीकेके मेनन रोड स्थित भाजपा के जिला मुख्यालय में रानी अहिल्लाबाई को याद किया गया। कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष रमेश कुमार, राज्य मुख्य सचिव एपी मुरुगनंदम, राज्य महा सचिव कार्थियानी और अन्य बीजेपी नेता उपस्थित थे।

नीलांबुर उपचुनाव :

पीवी अनवर निर्दलीय चुनाव लड़ेंगे; टीएमसी का नामांकन खारिज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मलप्पुरम/भाषा। निर्वाचन आयोग (ईसी) ने नीलांबुर विधानसभा क्षेत्र उपचुनाव के लिए पी वी अनवर का तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) उम्मीदवार के रूप में नामांकन मंगलवार को खारिज कर दिया, लेकिन एक निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में उनके द्वारा दाखिल नामांकन पत्र स्वीकार कर लिया। निर्वाचन आयोग की वेबसाइट के अनुसार, निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में अनवर के नामांकन के अलावा, संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) के ए. शौकत, वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) नेता एम. स्वराज और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के

नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के मोहन जॉर्ज सहित 13 अन्य उम्मीदवारों के नामांकन स्वीकार कर लिये गये। निर्वाचन आयोग ने टीएमसी उम्मीदवार अनवर सहित सात नामांकन खारिज कर दिये। उपचुनाव के लिए 20 उम्मीदवारों ने कुल 25 नामांकन दाखिल किए थे।

इससे पहले दिन में अनवर ने कहा था कि तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवार के रूप में उनका नामांकन लंबित रखा गया है, क्योंकि उनकी पार्टी केरल में पंजीकृत नहीं है। उन्होंने यह भी कहा था कि उनकी पार्टी की राष्ट्रीय समिति की ओर से उन्हें चुनाव चिह्न आवंटित करने के लिए एक पत्र राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा स्पष्टीकरण के लिए चुनाव आयोग को भेजा गया है। अनवर ने कहा कि भले ही टीएमसी त्रिपुरा और असम में पंजीकृत नहीं है, लेकिन उसके उम्मीदवारों को वहां पार्टी द्वारा भेजे गए पत्र के आधार पर पार्टी का चुनाव चिह्न आवंटित किया गया था। नाम वापस लेने की अंतिम तिथि 5 जून को अपराह्न 3 बजे है और उसके बाद चुनाव चिह्न आवंटित किए जाएंगे। 19 जून को मतदान होगा और 23 जून को नतीजे घोषित किए जाएंगे।

व्यावहारिक कार्यों के साथ धर्म की सम्पदा भी बढ़ती रहे : मुनिश्री पुलकित कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ धर्मसंघ के मुनि डॉ पुलकित कुमार जी एवं आदित्य कुमार जी का मंगलवार का प्रवास इंदिरानगर स्थित भूपेंद्र मुथा के निवास स्थान पर हुआ। मुनिश्री ने उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए कहा कि जीवन में हमारे व्यावहारिक कार्यों के साथ हमारी धर्म की सम्पदा भी बढ़ती रहे, यही हमारी आत्मा की खुराक है। इस अवसर पर मुनिश्री ने ॐ भिक्षु के नाम का सवा लाख जाप तथा आचार्य भिक्षु त्रिशताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में अधिक से अधिक त्याग तपस्या तथा आचार्य भिक्षु के सिद्धांतों को अपनाने की प्रेरणा प्रदान की। उन्होंने आचार्य भिक्षु त्रिशताब्दी तथा तेरापंथ स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में तेरापंथ सभा गांधीनगर द्वारा पैलेस ग्राउंड पर 6 जुलाई को आयोजित होने वाले विराट धम्म जागरण के संदर्भ में मार्गदर्शन प्रदान किया।

मुनिश्री आदित्य कुमार जी ने ध्यान का प्रयोग करवाते हुए नियमित जाप करवाया । इस अवसर पर तेरापंथ सभा के अध्यक्ष पारसमल भंसाली, मंत्री विनोद छाजेड़, गौतम मुथा, अभयराज कोठारी ने अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर वरिष्ठ समाज सेवी सरदारमल सुराणा, अणुव्रत समिति के नए अध्यक्ष ललित बाबेल, महावीर मुथा सहित अनेक सदस्य उपस्थित थे। संदीप मुथा व सुशील बाफना ने भूपेन्द्र मुथा की दिवगंत धर्मपत्नी के जीवन पर आधारित पुस्तक दादी मां एक स्मृति' मुनिश्री को भेंट की। कार्यक्रम का संचालन सभा के मंत्री विनोद छाजेड़ ने किया तथा सभा के वार्षिक अधिवेशन तथा मुनिश्री के आगामी विहार की जानकारी दी। नवनीत मुथा ने धन्यवाद दिया।

देव, गुरु, धर्म पर हमारी श्रद्धा अटूट व दृढ़ होनी चाहिए : साध्वीश्री आज्ञानिधि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के एवेन्यू रोड स्थित मुनिसुव्रत राजेन्द्र जैन श्वेतांबर मंदिर में मंगलवार को साध्वी आज्ञानिधि जी ने अपने प्रवचन में कहा कि जिसकी श्रद्धा मजबूत नहीं होती, उसी के मन में परमात्मा और गुरु के वचनों के प्रति तर्क -कुतर्क उत्पन्न होते हैं। श्रद्धा अध्यात्मिक जगत की प्रथम सीढ़ी है। जब इस व्यवहार जगत में व्यक्ति का कार्य बिना श्रद्धा-विश्वास के चल नहीं सकता तो फिर अध्यात्म जगत में विश्वास और श्रद्धा का होना भी अत्यंत आवश्यक है। हमें प्रभु या गुरु के दरबार में कुछ मांगने के लिए कभी नहीं जाना चाहिए। देव, गुरु, धर्म पर हमारी श्रद्धा अटूट व दृढ़ होनी चाहिए, यदि प्रभु परमात्मा और गुरु के वचनों में श्रद्धा मजबूत नहीं है तो सम्यक दर्शन की प्राप्ति कभी होने वाली नहीं है।

इस अवसर पर चेन्नई के राजेंद्रसूरीश्वर ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने साध्वीजी के दर्शन किए। ज्ञातव्य है कि साध्वीजी का इस वर्ष का चातुर्मास चेन्नई में होने वाला है।

चेन्नई संघ के अध्यक्ष हीरालाल फोलामुथा, सचिव गौतम सेठ, कोषाध्यक्ष संतोष कुमार, ट्रस्टी ललित मांडोत, डूंगरमल भंडारी का संघ की ओर से सम्मान किया गया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.